चैत्र शुक्ल पक्ष- 13, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 264 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
31 मार्च 2026 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
36.6 अधिकतम
21.4 न्यूनतम

Page- 7

अन्नदाता पर संकट... सरकार ने कहा बोरियों का अभाव, मौसम विभाग ने दी चेतावनी

बारिश से खेतों में फसल सड़ने का खतरा खरीदी के लिए मिल रही तारीख पर तारीख

अब 10 और 15 अप्रैल से शुरू होगी प्रदेश में समर्थन मूल्य पर खरीदी

विशेष संवाददाता, भोपाल

मध्य प्रदेश में गेहूं खरीदी सरकारी में देरी अब बड़ा मुद्दा बनती जा रही है। किसान अपनी फसल काटकर खरीदी का इंतजार कर रहे हैं जबकि सरकार गेहूं खरीदी की तारीखें लगातार आगे बढ़ा रही है। मसला इसलिए गंभीर है क्योंकि मौसम बदलने के कारण सोमवार को भोपाल सहित कई जिलों में बरसात हो चुकी है और अगले दो-तीन दिन भी बारिश होने की संभावना जताई गई है। आशंका है कि यदि तेज बरसात हुई तो खेतों में पड़ी फसल खराब होगी और अन्नदाता की मेहनत पर पानी फिर जाएगा।

बता दें कि सरकार ने पहले 1 अप्रैल से खरीदी शुरू शुरू करने की घोषणा की थी, लेकिन अब इसे बढाकर 10 अप्रैल और कई जगह 15 अप्रैल तक टाल दिया गया है। सरकार इस इस देरी को मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध से जोड़ रही है। उसका कहना है कि युद्ध की वजह से बोरियों (बारदाना) की कमी हो गई है। लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि अप्रैल के पहले हफ्ते में गेहूं खरीदी तो होनी ही थी , तो क्या सरकार पहले से तैयारी नहीं कर पाई? इसी बीच मौसम विभाग ने बारिश और आंधी की चेतावनी दी है, जिससे खेतों में पड़ी फसल के खराब होने का खतरा और बढ़ गया है। किसानों का आरोप है कि सरकार न सिर्फ खरीदी में देर कर रही है, बल्कि भुगतान को लेकर भी स्थिति साफ नहीं है। उनका यह भी कहना है कि सरकार बोरियों का अभाव बता रही है लेकिन देरी का कारण भुगतान से भी जुड़ा हो सकता है। हो सकता है कि राशि की पर्याप्त व्यवस्था न होने की वजह से खरीदी टाली जा रही हो। ऐसे में किसान दोहरी मार झेलने को मजबूर हैं। एक तरफ प्राकृतिक संकट, दूसरी तरफ प्रशासनिक लापरवाही।

अब सवाल यह है कि अगर फसल खराब होती है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? किसानों का कहना है कि जब फसल कट चुकी हो, तो उन्हें तुरंत अपनी फसल बेचने और पैसे पाने की जरूरत होती है। खरीदी में देरी से किसानों को नुकसान हो रहा है। बारिश के अलावा चोरी, चूहा, कीड़े और नमी के कारण फसल खराब होने का खतरा रहता है। कई किसान तो कर्ज लेकर खेती करते हैं, ऐसे में खरीदी टालने से उनका आर्थिक संकट और गहरा हो जाएगा।

हे प्रभु... इस बार न बनें ऐसे हालात

पिछले साल हुई बेमौसम बरसात से बड़ी मात्रा में खेतों में रखी फसल खराब हो गई थी।

किसानों पर ही डाला फसल सुरक्षित रखने का जिम्मा

समय पर खरीदी शुरू नहीं कर पाई सरकार किसानों से ही अपील कर रही है कि वे अपनी फसल को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। भला ऐसे कितने किसान होंगे जिनके पास खेतों में राखी फसल को पानी से बचने के लिए सुरक्षित स्थान होंगे। सरकार की जानकारी में है कि पिछले साल ही बेमौसम बरसात से बड़ी मात्रा में खेतों में रखा गेहूं खराब हो गया था। हालांकि सरकार का कहना है कि खरीदी प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए तैयारियां की जा रही हैं और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। कुछ क्षेत्रों में लॉजिस्टिक कारणों, विशेष रूप से भंडारण एवं पैकेजिंग (बोरी) की उपलब्धता में कमी के कारण खरीदी तिथि को संशोधित किया गया है। किसानों को खरीदी के पश्चात समयबद्ध भुगतान के लिए वित्तीय एवं तकनीकी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है।

बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच रहे घायलों का इलाज किया जा रहा है।

चैत्र के आखिरी मंगलवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

नालंदा के शीतला माता मंदिर में मची भगदड़, आठ की मौत

नालंदा, एजेंसी

नालंदा के मघड़ा में माता शीतला माता मंदिर में भगदड़ से 8 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में सभी महिलाएं हैं। 6 से ज्यादा लोग घायल हैं। भगदड़ के बाद मंदिर और अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल है।

मृतकों में से 2 की पहचान हो पाई है। इनमें नालंदा निवासी रीता देवी (50) और रेखा देवी (45) है। घायलों को इलाज के लिए मॉडल अस्पताल भेजा गया है। चैत्र महीने का आज आखिरी मंगलवार है। इसके लेकर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर में जुटी थी। प्रशासन ने हादसे के बाद मंदिर और मेला को बंद करवा दिया है।

बता दें कि मंदिर का गर्भ गृह बहुत छोटा है। मंदिर गई एक महिला ने बताया भीड़ इतनी थी कि लोग एक-दूसरे पर चढ़ रहे थे। सबको जल्दी थी आगे जाकर पूजा करने की। कोई लाइन में लगकर पूजा नहीं करना चाह रहे थे। मृतका रेखा देवी के बेटे ने बताया कि मम्मी मेला देखने गई थी। हजारों की भीड़ थी। मघड़ा मेला लगा था। मैं घर पर था, जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचा। मां को अस्पताल लेकर आए, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। वहीं आज ही राष्ट्रपति नालंदा पहुंच रही हैं। वो नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। घटनास्थल राष्ट्रपति के कार्यक्रम स्थल से 30 किमी दूर है।

INDIAN PREMIER LEAGUE

पंजाब-गुजरात, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

मॉर्निंग वॉक पर निकले पार्षद को गोली मारी, मौत

दतिया। आपसी रंजिश के चलते अज्ञात लोगों ने दतिया शहर के वार्ड क्रमांक एक के भाजपा पार्षद कल्लू कुशवाहा की गोली मारकर नृशंस हत्या कर दी। बताया जाता है कि पार्षद कुशवाहा सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। उसी दौरान कोतवाली थाना क्षेत्र के सेवढ़ा चुंगी के पास उनको गोली मार दी। जानकारी के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने घात लगाकर कल्लू कुशवाहा पर ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी है। हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं।

पीएम मोदी ने सम्राट सम्प्रति संग्रहालय का किया उद्घाटन

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत विरासत महोत्सव कार्यक्रम के दौरान कोबा तीर्थ में आज सम्राट सम्प्रति संग्रहालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी उपस्थित थे। पीएम मोदी ने कहा कि यह संग्रहालय शताब्दियों पुराने ज्ञान, अध्यात्म और सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। संग्रहालय में पारंपरिक प्रदर्शनियों के साथ आधुनिक डिजिटल और ऑडियो-वीजुअल इंस्टॉलेशनों के माध्यम से शोधकर्ताओं और विद्वानों के लिए एक समग्र और इमर्सिव अनुभव तैयार किया गया है।

आज का कार्टून

कर्मचारियों के हक में 'सुप्रीम' फैसला

लंबे समय तक काम लिया तो पद स्थायी माना जाएगा

नईदिल्ली. एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कर्मचारियों के हक में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी कर्मचारी से लंबे समय तक काम लिया जाता है, तो वह कार्य स्थायी माना जाएगा। शीर्ष अदालत के अनुसार, इतनी लंबी सेवा ही इस बात का प्रमाण है कि उस पद पर नियमित नियुक्ति की जरूरत थी। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला रद्द कर दिया है। कोर्ट ने प्रभावित कर्मचारियों को वापस नौकरी पर रखने का आदेश दिया है।

यह मामला कानपुर नगर निगम के स्विचमैन कर्मचारियों से जुड़ा है। ये कर्मचारी वर्ष 1993 से 2006 तक लगातार काम कर रहे थे। अदालत ने कहा कि जब कोई 12-13 साल तक निरंतर कार्य करता है, तो उसे अस्थायी कहना गलत है। उसे महज वैकल्पिक कर्मचारी मानकर अचानक नौकरी से नहीं निकाला जा सकता। पीठ के अनुसार, इतनी लंबी कार्यावधि सिद्ध करती है कि वहां काम स्थायी था और नियमित पद मौजूद था। इस कानूनी लड़ाई में सबूतों को लेकर अहम मोड़ आया। नगर निगम ने कर्मचारियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड पेश नहीं किया। कोर्ट ने श्रम न्यायालय के निर्णय को सही ठहराया। कोर्ट ने कहा यदि संस्थान आदेश के बावजूद दस्तावेज नहीं दिखाता, तो कर्मचारी का दावा सच माना जाएगा।

बहाली का आदेश जारी वेतन पर दोबारा विचार

सुप्रीम कोर्ट ने कर्मचारियों की बहाली का आदेश बरकरार रखा है। हालांकि, उनके पिछले बकाया वेतन पर एक तकनीकी पेंच है। अदालत का मानना है कि यह देखना जरूरी है कि नौकरी से हटने के बाद कर्मचारी कहीं और काम कर रहे थे या नहीं। इसी बिंदु पर निर्णय के लिए मामला पुनः उच्च न्यायालय भेज दिया गया है। इस फैसले से देशभर के संविदा कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका में कहा गया है कि गैर-योग्य कानूनी पेशेवर जमीन संबंधी विवादों का निपटारा कर रहे हैं। ऐसे में इस तरह के मामलों से निपटने के लिए राजस्व न्यायिक सेवा स्थापित की जाए।

इस्फहान शहर पर अमेरिका का हमला, जहाज़ों से रियाल में होर्मुज टोल वसूलेगा ईरान

हथियार डिपो पर बंकर-बस्टर बमों से अटैक

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान के इस्फहान शहर में एक बड़े हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला सोमवार देर रात को किया गया। इसके लिए 2000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल हुआ। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि इस डिपो में बड़ी मात्रा में हथियार और सैन्य सामग्री रखी गई थी, जिसे निशाना बनाया गया। बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल मजबूत और भूमिगत ठिकानों को तबाह करने के लिए किया जाता है। हमले के बाद डिपो में रखे हथियारों में विस्फोट होने से कई धमाके हुए और इलाके में आग के बड़े गुबार उठे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी सोशल मीडिया पर धमाकों का एक वीडियो शेयर किया है।

उधर ईरान ने रणनीतिक जलमार्ग यानी होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के लिए रियाल आधारित टोल सिस्टम लागू कर दिया है। इसमें समुद्री सुरक्षा, जहाजों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और जलडमरूमध्य से गुजरने के वित्तीय नियमों से जुड़ी बातें भी शामिल हैं। इस योजना के तहत अमेरिकी और इजरायली जहाजों के गुजरने पर प्रतिबंध लगाया गया है और उन देशों पर भी प्रतिबंध बढ़ाया गया है, जो ईरान पर एकतरफा प्रतिबंध लगाते हैं। ईरानी ब्रोकास्तर के अनुसार ईरान ने होर्मुज पर अपनी संप्रभुता को फिर से मजबूत किया है और ओमान के साथ मिलकर इसके प्रबंधन के लिए कानूनी ढांचा तैयार करने पर जोर दिया है।

तेहरान में एक भवन के ध्वस्त होने के बाद विलाप करती महिला।

लेबनान में इजराइली स्ट्राइक

दक्षिणी लेबनान में इजराइल के हवाई हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, आधी रात के बाद हुए इन हमलों में अब्बा कस्बे समेत कई इलाकों को निशाना बनाया गया। हमले में एक घर को सीधे निशाना बनाया गया, जिससे एक व्यक्ति की जान चली गई। इसके अलावा नबतिया और आसपास के क्षेत्रों में भी बमबारी से घरों को नुकसान पहुंचा है। उधर, हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम पर ड्रोन हमला किया है। संगठन के मुताबिक, यह हमला उत्तरी इजराइल के मआलोत-तर्शीहा इलाके में किया गया।

केबिन में धुआं, मे-डे कॉल के बाद एअर इंडिया फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ, एजेंसी

एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट पश्चिम बंगाल के बागडोगरा से दिल्ली जा रही थी। सूत्रों के मुताबिक, फ्लाइट यूपी के अंबेडकरनगर के ऊपर थी, तभी पायलट के केबिन में धुआं महसूस हुआ। उस समय विमान 36 हजार फीट की ऊंचाई पर था। पायलट ने धुआं महसूस होते ही लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल को मे डे कॉल किया। मेडे कॉल के बाद यात्रियों को ऑक्सीजन मास्क उपलब्ध करा दिए गए। लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति लेकर विमान को शाम 5:17 बजे सुरक्षित लैंड कराया। तब से फ्लाइट लखनऊ के टर्मिनल-3 पर खड़ी है। फ्लाइट में 148 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। सभी सुरक्षित हैं। कई यात्रियों को दूसरी फ्लाइट्स से दिल्ली भेजा।

सोशल मीडिया यूजर्स का कंटेंट हटा सकेगी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आईटी नियमों में बड़े बदलाव का मसौदा तैयार किया है। नए नियमों के हिसाब से सरकार सोशल मीडिया यूजर्स और इनफ्लुएंसर द्वारा पोस्ट किए जाने वाले न्यूज कंटेंट को हटा सकेगी। मंत्रालय द्वारा जारी मसौदे पर 14 अप्रैल तक सभी हितधारकों से सझाव मांगे गए हैं। इन बदलावों का उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और डिजिटल इंटरमीडियरी पर सरकार के निर्देशों को कानूनी अधिकार देना है।

ईरान जंग में झुंझलाता हमलावर बनाम धैर्यवान प्रतिरोध...!

वॉर एनालिसिस
राजेश सिरोठिया

जब युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि धैर्य, रणनीति और कूटनीति से लड़ा जाता है, तब असली ताकत सामने आती है। ईरान और अमेरिका के बीच जारी टकराव ने यही साबित किया है। जहाँ एक तरफ आक्रामकता है, वहीं दूसरी तरफ संयमित लेकिन सटीक पलटवार। ईरान पर हमला करते समय डोनाल्ड ट्रम्प ने जिस तेज़ गति से कम वक्त में निर्णायक जीत की कल्पना की थी, वह उससे लगातार दूर छिटकती जा रही है। यह संघर्ष अब एकतरफा सैन्य अभियान नहीं, बल्कि लंबी रणनीतिक लड़ाई में बदल चुका है। जहाँ हर कदम सोच-समझकर उठाया जा रहा है।

अमेरिका की सबसे बड़ी रणनीतिक चूक यह रही कि वह ईरान को वैश्विक स्तर पर अलग-थलग नहीं कर पाया। इसके उलट, अमेरिका खुद अपने पारंपरिक सहयोगियों के बीच असहज स्थिति में आ गया है। स्पेन जैसे देशों द्वारा एयरस्पेस देने से इनकार, इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पश्चिमी एकजुटता में दरारें उभर रही हैं। घरेलू मोर्चे पर भी दबाव कम नहीं है। अमेरिका के भीतर बढ़ते विरोध प्रदर्शन यह दर्शाते हैं कि जनता इस युद्ध की दिशा और उद्देश्य दोनों पर सवाल उठा रही है। जब कोई नेता अपने ही देश में समर्थन खोने लगे, तो उसकी अंतरराष्ट्रीय रणनीति भी कमजोर पड़ जाती है।

इस बीच, युद्ध के मैदान में अमेरिका की रणनीति में अधीरता और बौखलाहट साफ झलक रही है। ईरान के तेल ठिकानों के साथ-साथ जल शोधन संयंत्रों और शैक्षणिक संस्थानों को निशाना बनाना न केवल मानवीय संकट को बढ़ाता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर नैतिक वैधता को भी कमजोर करता है। करीब एक सदी पुराने इंजीनियरिंग संस्थान को परमाणु शोध के नाम पर निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय समुदाय में संदेह पैदा करता है। ट्रम्प का एकतरफा सीजफायर का वादा भी अब अविश्वसनीय साबित हो रहा है। बार-बार बदलते बयान और विरोधाभासी निर्णय यह दिखाते हैं कि स्पष्ट रणनीति का अभाव है। खाड़ी देशों की स्थिति भी दुविधापूर्ण हो गई है, जिन्होंने अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका को सैन्य अड्डे दिए, वे अब खुद असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ऊपर से युद्ध खर्च की मांग, इस गठबंधन की कमजोरी को उजागर करती है।

इसके विपरीत, ईरान ने संयमित लेकिन प्रभावी रणनीति अपनाई है। वह सीधे टकराव से बचते हुए, चरणबद्ध और लक्षित जवाब दे रहा है, जो यह दर्शाता है कि वह लंबी लड़ाई के लिए तैयार है। यही वजह है कि यह संघर्ष अब 'शक्ति बनाम रणनीति' में बदल चुका है, जहां रणनीति भारी पड़ती दिख रही है। अंततः, यह युद्ध केवल मिसाइलों और हमलों का नहीं, बल्कि विश्वसनीयता, धैर्य और कूटनीतिक संतुलन की परीक्षा है। अगर यही रुझान जारी रहा, तो यह संघर्ष लंबा खिंच सकता है और परिणाम केवल सैन्य ताकत से नहीं, बल्कि रणनीतिक धैर्य से तय होगा।

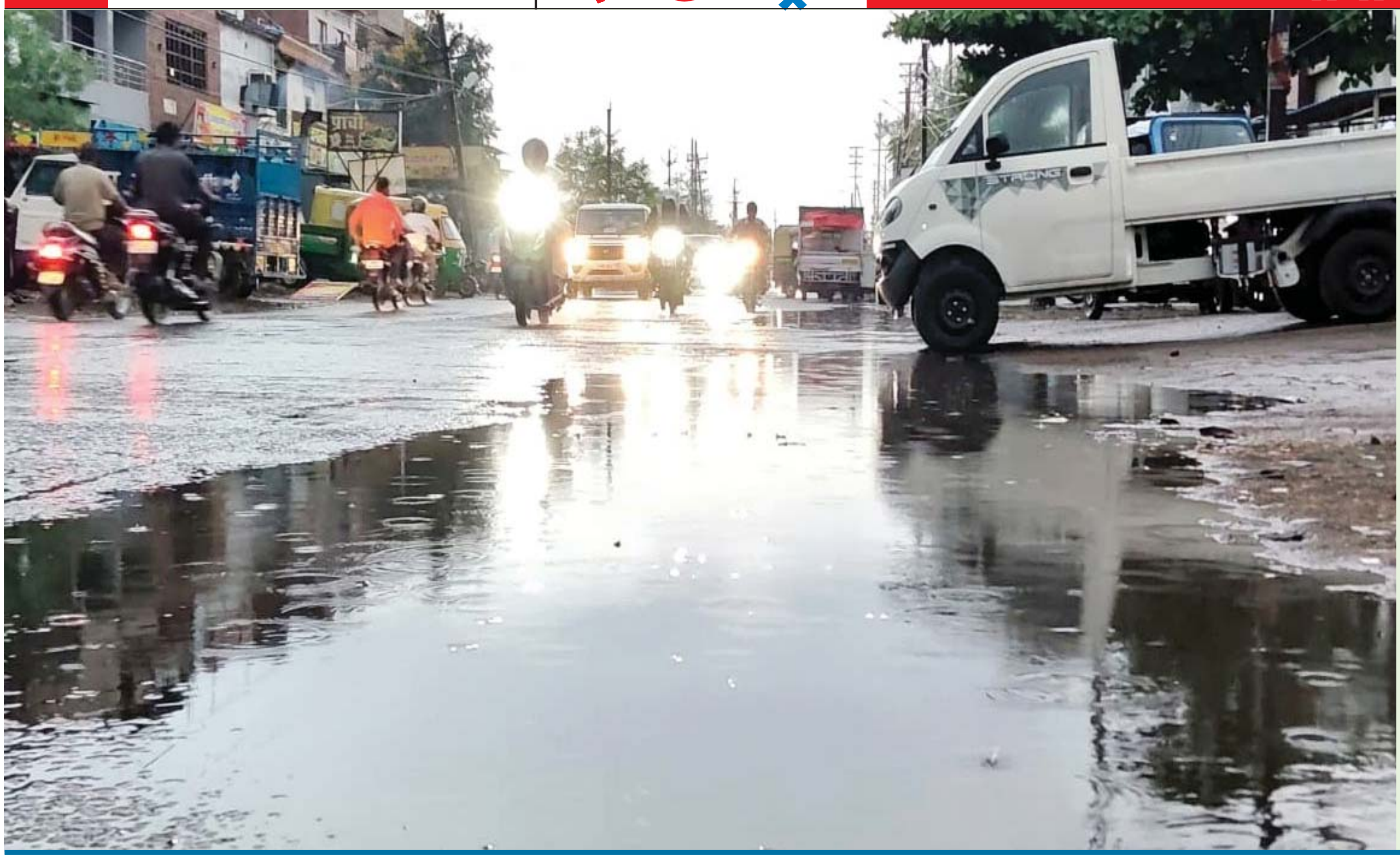

मौसम ने बदला मिजाज, 2 अप्रैल को सक्रिय होगा नया सिस्टम

भोपाल में रविवार शाम अचानक मौसम ने करवट बदल ली। दिनभर की गर्मी के बाद शाम होते-होते तेज हवाओं और काले घने बादलों ने पूरे शहर को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आंधी इतनी तेज चली कि कई जगहों पर पेड़ उखड़कर सड़कों पर गिर पड़े। तेज हवाओं के साथ शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने शहर की रफ्तार थाम दी। कई इलाकों में पानी भर गया। मौसम विभाग के अनुसार 2 अप्रैल को एक और सिस्टम सक्रिय होगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है, जिससे एमपी में फिर मौसम बदलेगा। शहर के अलग-अलग हिस्सों से पेड़ गिरने और बिजली आपूर्ति बाधित होने की खबरें सामने आई हैं। कई जगहों पर खुले में खड़े वाहन और दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है। मौसम के इस अचानक बदलाव से लोग हैरान रह गए, क्योंकि कुछ ही घंटों पहले तक तेज धूप और गर्मी से लोग परेशान थे। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी ऐसे ही बदलाव देखने को मिल सकते हैं। फिलहाल प्रशासन अलर्ट पर है और लोगों से अपील की गई है कि खराब मौसम के दौरान घरों में ही रहें और सुरक्षित स्थानों पर शरण लें।

व्यवसायियों में कारोबार ठप होने का भय

राजधानी में 23 हजार सिलेंडरों की आपूर्ति फिर भी कतार में लग रहे 27 हजार उपभोक्ता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में 23 हजार उपभोक्ताओं को सिलेंडरों की आपूर्ति की जा चुकी है, लेकिन कतार कम नहीं हो रही है। अब भी 27 हजार उपभोक्ताओं को सिलिंडर नहीं मिले हैं। ऐसे में सिलेंडरों की कालाबाजारी से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसी बीच कोलार इलाके में 25 से अधिक सिलेंडरों से भरा वाहन लावारिस मिलने से यह स्पष्ट हो गया है कि घरेलू सिलेंडरों उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवाने के बजाए होटल, रेस्टोरेंट, नाश्ता घर व ठेलों वालों को दिए जा रहे हैं। यही कारण है कि उपभोक्ताओं को बुकिंग करने के बाद भी तीन से चार दिन बाद भी सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार घरेलू सिलेंडरों के साढ़े 5 लाख और व्यावसायिक सिलेंडर के 40 हजार उपभोक्ताओं को करीब 40 गैस एंजेंसियों से आपूर्ति की जाती है। घरेलू गैस सिलेंडर के उपभोक्ताओं ने पिछले दिनों बुकिंग की थी, लेकिन आपूर्ति नहीं होने से करीब 50 हजार उपभोक्ता कतार में थे। इसके चलते उपभोक्ता एजेंसी व गोदाम पर लाइन में लगकर सिलेंडर लेकर इंतजार कर रहे थे, तब ही अधिकारियों ने उन्हें समय पर सिलेंडर उपलब्ध करवाने का आवश्वासन दिया था, जिसके बाद अब तक करीब 23 हजार सिलिंडर की आपूर्ति की जा चुकी है, लेकिन 27 हजार उपभोक्ताओं को अब भी सिलेंडर का इंतजार है। इस दौरान हर दिन करीब

15 हजार से अधिक बुकिंग उपभोक्ताओं के द्वारा की जा रही है और करीब 11 से 12 हजार सिलेंडरों की आपूर्ति एजेंसी द्वारा की जा रही है। बता दें कि एक सिलेंडर वाले उपभोक्ता 25 दिन में, दो सिलेंडर वाले उपभोक्ता 35 दिन में बुकिंग कर सकते हैं। तो वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में सभी उपभोक्ता 45 दिन में ही बुकिंग कर सकते हैं।

अधिकारी लगा रहे वाहन चालक का पता

कोलार इलाके में डीमार्ट के पास इंडेन कंपनी के सिलेंडरों से भरा लावारिस वाहन खाद्य विभाग की टीम को मिला है। इसमें कोई चालक नहीं होने से अधिकारियों को संदेह है कि सिलेंडर कालाबाजारी के लिए ले जाए जा रहे थे। ऐसे में अधिकारियों ने वाहन चालक का पता लगाना शुरू कर दिया है, देर रात तक कोई सुराग नहीं लग सका था।

बता दें कि जिले में हर दिन 400 से 500 मीट्रिक टन गैस की खपत होती है, लेकिन अब 2 हजार 491 मीर्ट्रिक टन गैस डिपो में उपलब्ध है। मध्यप्रदेश में व्यवसायिक सिलिंडरों के नहीं मिलने से टेंट कारोबारियों में भय का माहौल है कि उनका कारोबार ठप न हो जाए। इससे उन्होंने सरकार से मांग की है कि वह उन्हें सिलिंडर उपलब्ध करवाए। फेडरेशन आफ एमपी टेंट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रिंकू भटेजा ने बताया कि आगामी 15 अप्रैल से विवाह मुहूर्त प्रारंभ हो रहे हैं। प्रदेश में लगभग 25 से 30 हजार शादियां रोजाना होंगी, जिसमें लगभग ढाई लाख व्यावसायिक सिलिंडर की आवश्यकता होगी, लेकिन एलपीजी सिलिंडर बिल्कुल भी उपलब्ध न होने के कारण कैटरर्स असमंजस्य में हैं कि क्या करें? कैटरिंग का आर्डर लें या न लें? और जिन कैटर्स ने आर्डर ले लिए हैं वह बिना सिलिंडर के कैसे शादी, पार्टी, में कैटरिंग कर पाएंगे। फेडरेशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह खनूजा ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार से मांग की है बेटी की शादी में व्यावसायिक एलपीजी सिलिंडर उपलब्ध कराया जाए, जिससे भोजन व्यवस्था में किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न न हो।

मेट्रो के लिए जमीन के 24-मीटर नीचे से खुदाई

रेड सी प्लाजा से पुल पातरा की ओर स्लोप का काम शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर में मेट्रो के अंडरग्राउंड कॉरिडोर का काम अब जमीन के नीचे शुरू होने जा रहा है। सोमवार से पहली बार टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के जरिए 24 मीटर गहराई में सुरंग की खुदाई शुरू हो गई। रेड सी प्लाजा के पास से मशीन पुल पातरा की दिशा में आगे बढ़ेगी। अधिकारियों की मौजूदगी में ब्रेक-इन किया गया।

इस कॉरिडोर में भोपाल और नादरा, दो अंडरग्राउंड स्टेशन बनाए जा रहे हैं, जिनकी लंबाई करीब 180-180 मीटर होगी। टीबीएम से बनी सुरंग 3.39 किमी तक जाएगी। इसके बाद बड़ा बाग के पास नादरा स्टेशन के आगे 143 मीटर स्लोप के जरिए मेट्रो फिर जमीन के ऊपर आ जाएगी।

समझें पीपीवी क्यों है जरूरी: पीक पार्टिकल वेलॉसिटी (पीपीवी) जमीन में कंपन की तीव्रता मापने का पैमाना है। इसे मिलीमीटर प्रति सेकंड के आधार पर

मापा जाता है। तय सीमा से ज्यादा कंपन होने पर आसपास की इमारतों को नुकसान हो सकता है।

50 मीटर के बाद दूसरी टीबीएम - पहली मशीन जब करीब 50 मीटर तक सुरंग बना लेगी, उसके बाद दूसरी टीबीएम को भी लॉन्च किया जाएगा।

265 मीटर का स्लोप बनाते हुए आगे बढ़ेगी मशीन

जमीन के नीचे उतारी जा चुकी टीबीएम अब करीब 265 मीटर लंबा स्लोप (ढलान) बनाते हुए आगे बढ़ेगी। इसके बाद खुदाई शुरू होगी। खास बात यह है कि खुदाई के दौरान आसपास की इमारतों पर असर न पड़े, इसके लिए पिक पार्टिकल वेलॉसिटी (पीपीवी) का लगातार मापन किया जाएगा और तय मानकों के भीतर ही वाइब्रेशन रखा जाएगा।

अंतरप्रांतीय सिन्धी साहित्य सम्मेलन

सिन्धी साहित्य में अनुवाद की हैं असीम संभावनाएं: रश्मि

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

देशभर के सिन्धी साहित्यकारों ने विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा कर सिन्धी साहित्य में अनुवाद परम्परा को अधिक प्रभावी बनाने की बात सिन्धी साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित अंतर प्रांतीय सिन्धी साहित्य सम्मेलन के दूसरे दिन कही। सिन्धी साहित्य में अनुवाद की स्थिति, संभावना,महत्व तथा आवश्यक प्रयासों पर बोलते हुए मुख्य वक्ता रश्मि रामानी ने कहा कि सिन्धी साहित्य में अनुवाद में असीम संभावनाएं हैं, यह रोजगार प्राप्ति का भी एक श्रेष्ठ माध्यम हो सकता है, इस विषय पर आधारित सत्र की भूमिका डॉ.नादिया मसंद ने प्रस्तुत की तथा सत्र की अध्यक्षता अशोक मनवानी ने की।

सिन्धी साहित्य में महिला महिला विमर्श के विषय पर मुख्य वक्ता डॉ. विम्मी सदारंगानी ने कहा कि सिन्धी साहित्य में महिला को आधुनिकता के नाम पर पुरुष विरोधी नहीं बल्कि पुरुष का सहयोगी बताया गया है, सिन्धी साहित्य में महिला को सबला दिखाते हुए साहित्यकारों ने उसकी परिवार तथा समाज मे महत्ता का ही वर्णन किया है।इस सत्र की भूमिका द्रोपदी चंदनानी ने तथा अध्यक्षता डॉ. कमला गोकलानी ने की। सिन्धी साहित्य में युवा विमर्श पर बोलते हुए मुख्य वक्ता प्रकाश तेजवानी ने सिन्धी साहित्यकारों द्वारा साहित्यिक रचनाओं में वर्णित युवाओं के महत्व पर प्रकाश डाला,इस सत्र की भूमिका प्रिया वाछाणी ने प्रस्तुत की तो अध्यक्षता अशोक जमनानी ने की।

उत्पादन लक्ष्य के निकट पहुंचा भेल, छुट्टी के दिन भी किया काम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड भेल भोपाल में चालू वित्त वर्ष के उत्पादन लक्ष्य का आज अंतिम दिन होने से कर्मियों में उत्साह दिखा। इससे पहले रविवार को साप्ताहिक अवकाश पर भी कारखाना खुला रहा। तीनों शिफ्टों में बड़ी संख्या में कर्मचारी और अधिकारी उत्पादन कामकाज में लगे रहे। बता दें कि भेल भोपाल को 4500 करोड़ का उत्पादन लक्ष्य मिला है। बता दें कि वर्ष 2025-2026 की अंतिम तिमाही के निर्धारित उत्पादन लक्ष्यों को समय पर पूरा करने भेल ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रबंधन के जारी ताजा परिपत्र के अनुसार रविवार को अवकाश निरस्त कर दिया था। इसके बदले एक अप्रैल को मिलेगा। इन दोनों दिन कारखाने और उद्योग नगरी स्थित सभी कार्यालयों में सामान्य कामकाज हुआ। भेल प्रबंधन ने बताया कि रविवार अवकाश के बदले कर्मचारियों के लिए प्रतिकारात्मक अवकाश की व्यवस्था भी की गई है। इन कर्मियों- अधिकारियों के लिए 1 अप्रैल को कारखाने में अवकाश रखा गया है। बता दें कि भेल में चालू वित्त वर्ष 25-26 में 4000 करोड़ का उत्पादन लक्ष्य रखा गया है। बताया जाता है कि अभी तक 38-39 सौ करोड़ रुपए का उत्पादन कर लिया गया है। मंगलवार 31 मार्च की मध्य रात्रि 12 बजे तक शेष उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त कर लेने की संभावना है।

नितिन गडकरी ने किया लक्ष्मीकांत जवणे की पुस्तक 'पथ पाथेय और पता' का लोकार्पण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय सडक एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आज विमोचित हुई कृति के रूप में एक वैचारिक यात्रा सम्पन्न हुई है। इसमें पथ - पाथेय और पता भी है। लेखक ने जटिल अवधारणाओं को आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किया है। उन्होंने गणतीय सूत्रों, परिभाषाओं और सांस्कृतिक दृष्टांतों का सुंदर संयोजन किया है। वैज्ञानिकता को केवल एक पद्धति नहीं बल्कि मानसिकता के रूप में प्रस्तुत करना और उसे लोकतंत्र की संरचना में अनिवार्य तकनीक के रूप में देखना कृति की विशिष्ठता है।

श्री गडकरी सुपरिचित साहित्यकार लक्ष्मीकांत जवणे की कृति 'पथ पाथेय और पता' के लोकार्पण अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होने कहा कि यह कृति लोकतंत्र के नये मुद्दों के समाधानों को खोलती है। पुस्तक अपने विषय और पाठकों के बीच मजबूत पुल का निर्माण भी करती है। लेखक लक्ष्मीकांत जवणे और श्रीमति वीणा जवणे ने इस अवसर पर वुडन पेन-होल्डर श्री गडकरी को भेंट किया। समारोह में डॉ.भाऊराव गायकवाड़, श्रीमती लता कनाठे, डॉ. दौलताबाद वाढ़ेकर, दिनेश साहू और विवेक मोहले की उपस्थिति रही। जवणे दम्पत्ति ने कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार प्रकट किया।

शिक्षा का पहला पड़ाव पूरा, अब समाज के प्रति उत्तरदायित्व का समय- निशा

हिरदाराम नगर. संस्कार पब्लिक स्कूल के प्रांगण में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए आश्वीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। सुनहरी यादों और विदाई की भावुकता के बीच विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि मप्र बाल आयोग की सदस्या डॉ. निशा सक्सेना, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायंस क्लब कमल भंडारी, और कर्नल नारायण पारवानी, संस्था के पदाधिकारियों ने परंपरागत तरीके से किया। निशा सक्सेना कहा, ÷आज आपकी शिक्षा का पहला चरण पूरा हुआ है। अब समय है कि आप समाज के लिए कार्य करें। अपने लक्ष्य और दिशा का निर्धारण स्वयं करें। यदि आप स्वप्न, योजना और कार्यक्रमों में तालमेल बिठाकर चलेंगे, तो सफलता निश्चित है।÷ संस्था के सचिव बसंत चेलानी कड़वे अनुभवों को यहीं छोड़कर केवल अच्छी यादें और संस्कार साथ लेकर जाएं। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि ऐसा कोई कार्य न करें जिससे माता-पिता या विद्यालय की गरिमा को ठेस पहुंचे। नारायण पारवानी ने कहा कि हर पड़ाव पर विद्यालय के संस्कारों को याद रखें।

मेट्रो एंकर

चिल्ड्रन थिएटर अकादमी भोपाल ने किया नाटक का आयोजन

सांप्रदायिक दंगों की पृष्ठभूमि पर आधारित 'आदाब' का मंचन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

चिल्ड्रन थिएटर अकादमी भोपाल द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित सातवें बाल नाट्य समारोह में मुखौटा कल मंच ने प्रसिद्ध साहित्यकार समरेश बसु की कहानी पर आधारित नाटक 'आदाब' का सफल और प्रभावशाली मंचन किया। 1947 के दंगों की त्रासदी को दर्शाता नाटक-नाटक 'आदाब' वर्ष 1947 के सांप्रदायिक दंगों की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें उस दौर की भयावहता और मानवीय संकट को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया गया। शहर में कर्फ्यू, 'देखते ही गोली मारने' के आदेश और हर तरफ फैले डर के बीच दो अजनबी अंधेरी रात में आमने-सामने आते हैं। शुरुआत में दोनों के बीच अविश्वास और भय साफ झलकता है, लेकिन धीरे-धीरे एक-दूसरे को समझने के साथ उनका डर खत्म हो जाता है। यह नाटक दर्शकों को यह संदेश देता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत क्यों न हों, मानवीय मूल्य और संवेदनाएं हमेशा जीवित रहती हैं। नाटक ने भाईचारे, विश्वास और इंसानियत की भावना को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक में प्रियांशु ओझा, विष्णु झा, सौरभ सोनी, अनीश वंशकार और नमन आदिवासी ने प्रमुख भूमिकाएं निभाईं। वहीं पार्श्व ध्वनि में पिंकी ओझा, वरुण गौड़, सनद झा और संघर्ष झा का सहयोग रहा। प्रकाश व्यवस्था वनमाली बंधानी द्वारा की गई, जिसने मंचन को और प्रभावशाली बनाया।

मंच पर नहीं मिली कुर्सी तो लौट गए थे सत्यनारायण सत्तन

भाजपा नगर अध्यक्ष और महापौर भार्गव ने मांगी माफी

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर के दशहरा मैदान पर आयोजित नगर निगम के कार्यक्रम से वरिष्ठ भाजपा नेता और कवि सत्यनारायण सत्तन यानी सत्तन गुरु के वापस लौटने के बाद पार्टी के गलियारों में खलबली मच गई है। स्थिति को संभालने के लिए भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा खुद सत्तन गुरु के निवास पर पहुंचे और उनसे लंबी मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद मिश्रा ने स्पष्ट रूप से कहा कि सत्तन गुरु हमारे सबसे वरिष्ठ नेता हैं और यदि हमसे कोई भूल हुई है तो हम गुरुजी से 25 बार माफी मांगने को तैयार हैं। वहीं दूसरी ओर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भी इस पूरे घटनाक्रम पर अपना आधिकारिक बयान जारी किया है जिसमें उन्होंने गहरा खेद प्रकट करते हुए हृदय से क्षमा मांगी है।

उल्लेखनीय है कि रविवार को इंदौर के दशहरा मैदान पर नगर निगम द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसी सिलावट सहित कई दिग्गज जनप्रतिनिधि और पार्षद मौजूद थे। कार्यक्रम के लिए सत्यनारायण सत्तन को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। वे निमंत्रण का मान रखते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे भी थे लेकिन जब वे मंच की ओर बढ़ रहे थे तब वहां मौजूद एक कार्यकर्ता ने उन्हें रोक दिया।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने गुरुजी का लिया आशीर्वाद

सुमित मिश्रा ने सत्तन गुरु के घर पहुंचकर उनसे बंद कमरे में चर्चा की। मीडिया से बात करते हुए मिश्रा ने कहा कि वे हमारे मार्गदर्शक हैं और पार्टी के विभिन्न अभियानों में हमें उनका मार्गदर्शन मिलता रहता है। उन्होंने बताया कि वे गुरुजी को आगामी कार्यक्रमों में बतौर वक्ता आमंत्रित करने के लिए आए थे। दशहरा मैदान की घटना को उन्होंने एक दुर्भाग्यपूर्ण गलतफहमी करार दिया। मिश्रा ने जोर देकर कहा कि संगठन में काम करते समय कई बार अनजाने में त्रुटियां हो जाती हैं और गुरुजी जैसे वरिष्ठ नेता के सम्मान में किसी भी प्रकार की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सत्तन बोले- मैं महापौर के आमंत्रण पर आया था

सत्यनारायण सत्तन ने इस पूरे मामले पर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने बताया कि रविवार को वे राकेश शर्मा, तोमर और वाजपेयी के साथ वहां पहुंचे थे। वहां तैनात कार्यकर्ता ने उन्हें बैठने की अनुमति नहीं दी जिसके बाद उन्होंने वहां से जाना ही उचित समझा। सत्तन ने चुटकी लेते हुए कहा कि अब नई पार्टी और नए लोग हैं जिनके रीति-रिवाज अलग हैं। उन्होंने कहा कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से फोन कर और सड़क पर रोककर आने का आग्रह किया था। सत्तन गुरु के अनुसार चूंकि कार्यक्रम नगर निगम का था और महापौर ने उन्हें आमंत्रित किया था इसलिए व्यवस्थाओं की पूरी जिम्मेदारी भी उन्हीं की बनती थी।

कुर्सी पर नहीं लग पाई पर्ची पुष्यमित्र ने जताया खेद

विवाद बढ़ता देख महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बयान जारी कर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि सत्तन गुरु को पूरे आदर के साथ आमंत्रित किया गया था और मंच पर उनके लिए कुर्सी की व्यवस्था भी की गई थी। हालांकि कुर्सी पर नाम की पर्ची न लग पाने और आपसी संवाद में हुई कमी के कारण यह अप्रिय स्थिति निर्मित हुई। महापौर ने कहा कि इस तकनीकी चूक के कारण वरिष्ठ नेता को जो असुविधा हुई है उसके लिए वे व्यक्तिगत रूप से क्षमा प्रार्थी हैं और उन्हें इस घटना का बेहद दुख है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने तैयारी को लेकर जिम्मेदारों को जारी किए दिशा-निर्देश

प्रदेश में एक अप्रैल से शुरू होगा स्कूल चलें हम अभियान, 92 हजार स्कूल हैं शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2026-27 एक अप्रैल से शुरू होगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इसे स्कूल चलें हम अभियान के रूप में मनाया जाएगा। यह 4 अप्रैल तक चलेगा। अभियान में प्रदेश में 1 से 4 अप्रैल तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टर्स और जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं। इस दौरान प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सैकेण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।

स्कूल चलें हम अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा। कार्यक्रम के आयोजन को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

प्रदेश में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम चयनित स्कूलों में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। उपस्थित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जायेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जायें। इस संबंध में विभाग द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी और मैदानी अमले को निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं। ग्राम और बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन कराया जायेगा। बच्चों के अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जायेगा। कक्षा 1 से 8 तक सभी शालाओं में एक अप्रैल को बालसभा का आयोजन किया जायेगा। इस दिन शालाओं में विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम, 4 अप्रैल तक चलने वाले इस अभियान में आयोजित होंगी गतिविधियां

सांस्कृतिक एवं खेल-कूद गतिविधियां

स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 3 अप्रैल को शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इसका उद्देश्य पालकों का विद्यालय से जोड़ना है। इसी दिन शाला में उपस्थित पालकों को शैक्षणिक स्टॉफ द्वारा राज्य सरकार की स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। पिछले शैक्षणिक सत्र में जिन विद्यार्थियों की 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रही है, उनके पालकों को सभा में सम्मानित किया जायेगा।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम

卐स्कूल चलें हम卐 अभियान के दूसरे दिन शालाओं में 卐भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जायेगा। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा। आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियां सुनाएंगे। इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वेच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएं भेंट कर सकेंगे। जिला कलेक्टर को जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड में बच्चों के साथ संवाद करने के लिये संवाद करने के भी निर्देश दिये गये हैं।

हार के आगे जीत

स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 4 अप्रैल को ऐसे छात्रों को चिन्हित किया जायेगा, जो किन्हीं वजहों से कक्षोन्नति प्राप्त करने में असफल हो गये हैं। पालकों को इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिये समझाइश दी जायेगी। उन्हें बताया जायेगा कि असफल होने के बाद भी लगातार प्रयास से अच्छा भविष्य तैयार किया जा सकता है। इसी दिन शाला प्रबंधन और विकास समिति की बैठक भी होगी। बैठक में नये शैक्षणिक सत्र में ऐसे बच्चों पर विशेष रूप से चर्चा की जायेगी, जिनका शालाओं में नामांकन नहीं हो पाया है। समिति के सदस्य अपने विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों के नामांकन की कोशिश करेंगे और वार्षिक कार्य-योजना बनाकर उसके क्रियान्वयन पर चर्चा करेंगे।

डिमोशन का खतरा मंडराया

ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र विवाद में फंसी केरल कैडर की एमपी मूल की आईपीएस अधिकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश की प्रशासनिक व्यवस्था में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने ईडब्ल्यूएस पात्रता की शर्तों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के सनावद की रहने वाली और केरल कैडर की 2023 बैच की आईपीएस अधिकारी निमिषी त्रिपाठी ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट को लेकर जांच के दायरे में हैं। मामला इसलिए अहम हो गया है क्योंकि यदि जांच में सर्टिफिकेट उपयोग में तकनीकी त्रुटि पाई जाती है, तो उनकी सेवा में बदलाव तक हो सकता है।

शिकायत के बाद शुरू हुई जांच

निमिषी त्रिपाठी ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा 2023 में 368वीं रैंक हासिल की थी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के तहत उन्हें आईपीएस सेवा मिली। अब नियुक्ति के बाद उनके ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र को लेकर आपत्ति दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर केंद्र सरकार ने जांच शुरू कर दी। फिलहाल मध्यप्रदेश का गृह विभाग इस पूरे मामले की पड़ताल कर रहा है। इस मामले में खरगोन कलेक्टर ने जिले से जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी है। इस मामले की जड़ में ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र के नियमों में अंतर बताया जा रहा है। केंद्र सरकार के नियम के अनुसार 1000 वर्ग फीट या उससे अधिक के प्लॉट वाले परिवार ईडब्ल्यूएस श्रेणी में नहीं आते, जबकि मध्य प्रदेश के नियम के अनुसार नगर निगम क्षेत्र में 1500 वर्ग फीट तक, नगर पालिका क्षेत्र में 1200 वर्ग फीट तक और नगर पंचायत क्षेत्र में 1000 वर्ग फीट तक पात्रता का नियम है। यही अंतर अब विवाद का कारण बन गया है।

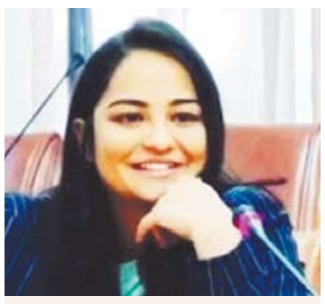

कहां उलझा मामला?

जानकारी के मुताबिक, निमिषी त्रिपाठी का परिवार नगर पालिका क्षेत्र में रहता है और उनकी मां के नाम करीब 1000 वर्ग फीट का प्लॉट है, जो राज्य के नियमों के अनुसार ईडब्ल्यूएस श्रेणी में आता है। लेकिन केंद्रीय सेवाओं के लिए आवेदन करते समय केंद्र सरकार के निर्धारित प्रारूप का प्रमाण पत्र जरूरी होता है, यहीं से पूरा विवाद खड़ा हुआ। मामले में जांच एजेंसियां दो मुख्य पहलुओं पर फोकस कर रही हैं। क्या प्रमाण पत्र फर्जी है? क्या गलत प्रारूप का उपयोग किया गया? प्रारंभिक जानकारी के अनुसार प्रमाण पत्र वैध तरीके से जारी हुआ है, लेकिन इसके उपयोग को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। जानकारों का कहना है कि यदि ईडब्ल्यूएस श्रेणी अमान्य पाई जाती है, तो नौकरी समाप्त होने की संभावना कम है। हालांकि, सेवा में बदलाव संभव है। ऐसी स्थिति में उन्हें उनकी रैंक के अनुसार अन्य सेवा, जैसे इंडियन रेवेन्यू सर्विस में भेजा जा सकता है।

सेना का चूक कवच फिर होगा तैयार...

अपडेटेड वर्जन में मिलेगी एल-70 एंटी एयरक्राफ्ट गन, जबलपुर में उत्पादन शुरू करने की तैयारी

आधुनिक सिस्टम और रडार से लैस होगा नया संस्करण

ऑपरेशन में सटीक प्रदर्शन से बढ़ा सेना का भरोसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उन्नत एल-70 एंटी-एयरक्राफ्ट गन का उत्पादन फिर से शुरू किया जा रहा है। यह अब आधुनिक इलेक्ट्रिक ड्राइव, फायर कंट्रोल सिस्टम और रडार से लैस होगी। आपरेशन सिंदूर में अपने अचूक निशाने से सबसे सटीक प्रदर्शन करने वाली एंटी एयरक्राफ्ट गन एल-70 ने आर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया (ओएफके) को अपने उत्पादन पर गर्व करने का अवसर दे दिया है। यह एडवांस वर्जन है और एल-70 गन ओएफके का ही उत्पादन है।

महत्वपूर्ण है कि ओएफके एल-70 के एम्युनेशन पर कार्य करता है। करीब चार साल पहले तक सेना को बनाकर दिया जा रहा था। शांति काल के कारण इसकी उपयोगिता सीमित होने से रक्षा उत्पादन बंद था। ओएफके इसके एक बार फिर ट्रायल उत्पादन कर सकती है। संभावना है कि उत्पादन शीघ्र ही शुरू हो सकेगा।

ट्रायल उत्पादन से पहले तैयारियां तेज

श्रमिक सूत्रों के अनुसार म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआइएल) की एक इकाई ओएफके एल-70 के ट्रायल उत्पादन शुरू करने से पहले इन-हाउस तैयारियों को पुख्ता करने के साथ मंथन में जुटी है। माना जा रहा है कि सेना से रक्षा उत्पादन को हरी झंडी मिलने के बाद कार्य के गति पकड़ने की संभावना है। इस बीच ओएफके ने शानदार रक्षा उत्पादन से आयुध क्षेत्र में अपनी साख में काफी इजाफा किया है। पूर्व में निजी कंपनियों से उसे चुनौती मिल रही थी, लेकिन अपने रक्षा उत्पादन में निर्माणी ने स्वदेशी तकनीक का भरपूर इस्तेमाल करने के साथ गुणवत्ता का भी विशेष ख्याल रखा है। यही कारण है कि देश की सेना का निर्माणी पर हमेशा से भरोसा कायम रहा है और उसके उत्पादन सटीक प्रदर्शन करते रहे हैं।

स्वीडिश गन का स्वदेशी अपग्रेड

महत्वपूर्ण है कि यह पूर्व में एक स्वीडिश निर्मित 40 मिमी एंटी-एयरक्राफ्ट गन है, जिसे बाद में आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम बढ़ाते हुए पूर्णतः स्वदेशी तकनीक की मदद से अपग्रेड किया गया। भारतीय सेना और वायुसेना की निम्न-ऊंचाई वाली रक्षा का हिस्सा है। एल-70 ने पाकिस्तानी ड्रोनों को नष्ट करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से पंजाब और जम्मू-कश्मीर क्षेत्रों में। इसकी सटीकता और तेजी से फायरिंग ने इसे प्रभावी बनाया।

टीईटी विवाद पर 12 शिक्षक संघ एकजुट

8 से 18 अप्रैल तक आंदोलन का ऐलान, राजधानी में होंगे एकत्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षाअनिवार्यता को लेकर चल रहा विवाद अब निर्णायक चरण में पहुंच गया है। प्रदेश के 12 प्रमुख शिक्षक संगठनों ने एकजुट होकर अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा÷ का गठन कर दिया है और सरकार के खिलाफ सड़क से लेकर न्यायालय तक संघर्ष की रणनीति तय कर ली है। शिक्षकों का कहना है कि यह लड़ाई केवल एक परीक्षा की नहीं, बल्कि सेवा सुरक्षा और अधिकारों की है। मोर्चा ने स्पष्ट किया है कि टीईटी अनिवार्यता और सेवा अवधि की गणना को लेकर सरकार पर पुनर्विचार का दबाव बनाया जाएगा।

12 संगठनों ने बनाया संयुक्त मोर्चा, तय की रणनीति

टीईटी विवाद को लेकर हुई बैठक में प्रदेश के 12 शिक्षक संगठनों ने सर्वसम्मति से अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा का गठन किया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अब अलग-अलग विरोध के बजाय एक मंच से आंदोलन किया जाएगा। मोर्चा के इसके तहत 8 अप्रैल से प्रदेशव्यापी आंदोलन की शुरुआत होगी, जो 18 अप्रैल को भोपाल में मुख्यमंत्री अनुरोध यात्रा तक पहुंचेगी। शिक्षक संगठनों का आरोप है कि बिना स्पष्टता के जारी आदेश ने 1.5 लाख से अधिक शिक्षकों को असमंजस में डाल दिया है।

प्रशासन की छापेमारी से हुआ खुलासा

स्कूल खुलते ही सक्रिय हुआ फर्जी किताबों का नेटवर्क, चार गुना ज्यादा कीमत पर बेच रहे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही नकली किताबों के कारोबार का बड़ा मामला सामने आया है। एमपी नगर इलाके की एक प्रमुख पुस्तक दुकान पर प्रशासन की टीम ने छापेमारी कर बड़ी मात्रा में कथित तौर पर नकली एनसीईआरटी किताबें जब्त की हैं, जिन्हें असली बताकर ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा था। कार्रवाई एमपी नगर एसडीएम एलके खरे के नेतृत्व में की गई। टीम ने दुकान के अंदर और बाहर लगे स्टॉलों से संदिग्ध किताबों का बड़ा स्टॉक बरामद किया। इन किताबों पर एक प्रकाशन का लेबल लगा था, जिसे अधिकारी संदिग्ध मान रहे हैं।

असली जैसी दिखती थीं नकली किताबें- अधिकारियों के मुताबिक, जब्त की गई किताबें देखने में पूरी तरह असली जैसी थीं, जिससे अभिभावकों के लिए उन्हें पहचानना मुश्किल हो रहा था। जांच के दौरान एक सेल्समैन को इन किताबों को बाजार मूल्य से कई गुना अधिक कीमत पर बेचते हुए पकड़ा गया।

कई कक्षाओं की किताबें शामिल

जांच में सामने आया कि कक्षा 1 से 12 तक के विभिन्न विषयों- हिंदी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और संस्कृत की किताबों की कथित नकली प्रतियां बेची जा रही थीं। इसके अलावा कुछ निजी प्रकाशकों की पुस्तकों की भी संदिग्ध कॉपियां दुकान में उपलब्ध थीं। कार्रवाई के बाद पूरी रिपोर्ट भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को सौंप दी गई है। प्रशासन ने इस मामले में सख्त कार्रवाई की सिफारिश की है और सप्लाई चेन की जांच भी शुरू कर दी गई है।

मेट्रो एंकर | एक्सपर्ट की निगरानी में होगी मेटिंग, जाली के जरिए कराया जा रहा परिचय

इंदौर चिड़ियाघर में किंग कोबरा का कुनबा बढ़ाने की तैयारी

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर के चिड़ियाघर में कई प्राणियों का कुनबा बढ़ चुका है। अब यहां किंग कोबरा का कुनबा बढ़ाने की प्लानिंग की जा रही है। यह प्रक्रिया विशेषज्ञों की निगरानी में होगी। बारिश से पहले मेटिंग पीरियड के दौरान दोनों किंग कोबरा को मिलाया जा सकता है।

इंदौर का चिड़ियाघर प्रदेश का ऐसा स्थान है, जहां नर और मादा दोनों किंग कोबरा मौजूद हैं। इस कारण प्रजनन की संभावना है, लेकिन इसमें बेहद सावधानी बरतनी होगी। फिलहाल दोनों को अलग-अलग पिंजरों में रखा गया है और बीच में जाली लगाई गई है, ताकि वे एक-दूसरे की गंध पहचान सकें और धीरे-धीरे परिचित हो सकें।

मिलाने में रहता है खतरा, विशेषज्ञों की निगरानी जरूरी चिड़ियाघर प्रभारी डॉ. उत्तम यादव के अनुसार, किंग कोबरा स्वभाव से एकाकी जीव है और अकेले रहना पसंद करता है। इन्हें केवल मेटिंग पीरियड में ही मिलाया जाता है। अन्य समय पर मिलाने पर आपसी संघर्ष का खतरा रहता है, जिससे एक-दूसरे को नुकसान पहुंच सकता है।

इसलिए पूरी योजना के तहत, नियंत्रित वातावरण में और विशेषज्ञों की मौजूदगी में ही दोनों को मिलाया जाएगा। साथ ही, सुरक्षा के सभी इंतजाम किए जाएंगे, ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत हस्तक्षेप किया जा सके।

बीच में जाली लगाकर बनाया जा रहा सुरक्षित : संपर्क डॉ.उत्तम यादव ने बताया कि फिलहाल दोनों किंग कोबरा को पास-पास एन्क्लोजर में रखा गया है, जिनके बीच जाली का गेट लगाया गया है। इससे दोनों एक-दूसरे के करीब आकर गंध पहचान सकें और आपसी परिचय बढ़ा सकें। इस तरह पहले से ही अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। मादा के मेटिंग पीरियड में आने पर उन्हें मिलाने की कोशिश की जाएगी, ताकि प्रजनन संभव हो सके। एक महीने में बन सकती है योजना, विशेषज्ञों की निगरानी जरूरी अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के खतरनाक जीवों को मिलाना आसान नहीं है। इसे लेकर विस्तृत योजना बनाई जा रही है। पूरी प्रक्रिया विशेषज्ञों की मौजूदगी में ही की जाएगी। इसमें करीब एक महीने का समय लग सकता है।

अलग-अलग जगहों से आए नर-मादा किंग कोबरा

डॉ. यादव ने बताया कि इंदौर चिड़ियाघर में मौजूद नर और मादा किंग कोबरा अलग-अलग स्थानों से लाए गए हैं। मादा किंग कोबरा साल 2022 में रेस्क्यू के दौरान यहां लाई गई थी। उस समय उसकी हालत काफी खराब थी, लेकिन चिड़ियाघर में बेहतर देखरेख के बाद अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। यह इंदौर जू की पहली किंग कोबरा है और इसकी लंबाई करीब 13-14 फीट है। कर्नाटक से लाया गया नर किंग कोबरा नर किंग कोबरा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर कर्नाटक के पीलीकुला बायोलॉजिकल पार्क से इंदौर लाया गया है। इसकी लंबाई करीब 12 फीट है और उम्र लगभग साढ़े तीन साल बताई जा रही है।

एक युद्ध, कई संकट

ईरान में जारी संघर्ष ने यह साफ कर दिया है कि आधुनिक दुनिया में कोई भी युद्ध सीमाओं के भीतर नहीं रहता। अमेरिका-इजरायल गठबंधन और ईरान के बीच बढ़ता टकराव अब केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था की परीक्षा बन चुका है। सवाल यह है कि क्या दुनिया इस तरह के बहुस्तरीय संकटों से निपटने के लिए वास्तव में तैयार है? ऊर्जा आपूर्ति इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव ने यह दिखा दिया कि दुनिया की अर्थव्यवस्था कितनी नाजुक डोर से बंधी हुई है। भारत में एलपीजी की किल्लत हो या दक्षिण कोरिया में ऊर्जा बचाने के लिए लोगों से जीवनशैली बदलने की अपील- ये केवल संकेत नहीं, बल्कि चेतावनी हैं। क्या हमने ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर पर्याप्त ध्यान दिया है, या अब भी हम पुराने ढांचे पर निर्भर हैं? कृषि क्षेत्र की स्थिति और चिंताजनक है। ऑस्ट्रेलिया में बुवाई प्रभावित होना और वैश्विक खाद संकट यह दर्शाता है कि भोजन सुरक्षा भी अब भू-राजनीति की गिरफ्त में है। यदि खाद और ईंधन की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो क्या आने वाले समय में खाद्य संकट अनिवार्य हो जाएगा? ब्राजील में चीनी उत्पादन का बायोफ्यूल की ओर झुकाव भी इसी दबाव की कहानी कहता है। इस युद्ध ने यह भी उजागर किया है कि आम आदमी का जीवन कितनी तेजी से प्रभावित हो सकता है। थाईलैंड में एसी कम चलाने की अपील, फिलीपींस में लिफ्ट बंद करने के निर्देश, और मिस्र में बाजारों के समय में कटौती- ये सभी कदम दर्शाते हैं कि संकट अब सरकारों के दफ्तरों से निकलकर घरों के भीतर पहुंच चुका है। सवाल यह है कि क्या हम इस तरह की जीवनशैली के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं? वैश्विक व्यापार और स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका प्रभाव और भी गंभीर है। बांग्लादेश का गारमेंट उद्योग ठप पड़ना और कैंसर की दवाओं की आपूर्ति बाधित होना यह दिखाता है कि युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि अस्पतालों और बाजारों में भी लड़ा जा रहा है। जब जीवनरक्षक दवाएं समय पर न पहुंचें, तो यह केवल आर्थिक संकट नहीं, बल्कि मानवीय त्रासदी बन जाता है। मनोरंजन और खेल जगत पर असर शायद सतही लगे, लेकिन यह भी वैश्विक असुरक्षा का संकेत है। बड़े कॉन्सर्ट और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का रद्द होना यह बताता है कि भय और अनिश्चितता किस हद तक फैल चुकी है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल अमेरिका जैसे विकसित देश से जुड़ा है, जहां महंगाई और बढ़ती ब्याज दरों ने आम नागरिक के लिए घर खरीदना कठिन बना दिया है। यह दिखाता है कि वैश्विक संकट किसी एक वर्ग या देश तक सीमित नहीं रहता।

बचपन बचाओ मुहिम के फ़रिश्ते, भीख मांगने वाले हाथों में सौंपा बस्ता!

श्रीगोपाल नारसन
स्तंभकार

वे नन्हे हाथ जो कभी भीख के लिए उठते थे,अब उन्हीं हाथों में पेंसिल, कॉपी, किताब है और कंधे पर लटका स्कूली बस्ता।इन बच्चों ने कभी सोचा भी नही होगा कि वे कभी स्कूल जा पाएंगे।लेकिन इन बच्चों की आंखों में बसा स्कूल जाने का सपना आखिर साकार हो ही गया।दिल्ली के आठ युवकों के पास इतना पैसा था कि वे अपने शौक पूरे कर सकते थे, लेकिन उन्होंने भीख मांगने वाले बच्चों की मदद करने की ठानी। दिल्ली के आठ युवाओं ने भीख मांगने वाले बच्चों में शिक्षा की अलख जगाई है। दिल्ली की व्यवस्तम सड़कों के किनारे आम तौर पर भीख मांगते बच्चे दिखते है। इन युवाओं ने इन भीख मांगने वाले बच्चों को साक्षर बनाने का बीड़ा उठाया। चार्टर्ड एकाउंटेट की पढ़ाई पूरी कर चुके कुंदन अब अपना समय ऐसे बच्चों को शिक्षित करने के लिए देते हैं।उनके इस अभियान में जय सिंह, साहिल, विनीत, मनीष और विवेक भी शामिल हैं।ये अपनी जिंदगी के अहम क्षण ऐसे बच्चों को दे रहे हैं जिनका भविष्य अंधियारे में था। पहली बार सन 2015 में दिल्ली के कनॉट प्लेस में जब इन युवकों का सामना भीख मांगने वाले बच्चों से सामना हुआ तो उन्होंने बच्चों को शिक्षित, जागरुक और आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया। दिल्ली कनॉट प्लेस के पालिका बाजार के ऊपर बने पार्क में उन्होंने सड़क पर रहने वाले बच्चों को मुफ्त शिक्षा देना शुरू किया।इन युवकों ने सेव चाइल्ड बेगर नाम की संस्था की स्थापना भी की।कुंदन के शब्दों में, 'शुरुआत में हमने बच्चों को भीख मांगने से मना नहीं किया, हमने उनकी स्थिति और उन्हें स्वीकार किया, हमने उन्हें शिक्षित और उनके अंदर स्किल डेवलेपमेंट करने के बारे में सोचा।जब हम उनके बीच में बैठते तो बच्चे बहुत ही आम सवाल करते जैसे कि आप पेन लेफ्ट पॉकेट में क्यों रखते हो, क्या आप अपना रुमाल रोज धोते हो, ये छोटी-छोटी बातें हमें तो पता है लेकिन सड़क किनारे रहने वाले बच्चों को ये जानकारी नहीं है और ना ही उन्हें किसी ने बताने की कोशिश की।

इन युवाओं ने बच्चों के अभिभावक बनकर उन्हें अच्छा और बुरा बताया, क्या सही है और क्या गलत है उन्हें समझाया, नशे की लत अगर किसी बच्चे में है तो उसका नशा खत्म कराने की ओर उसे प्रेरित किया।सन 2015 में कुछ बच्चों से शुरू हुआ अभियान सेव चाइल्ड बेगर अब दिल्ली के 12 केंद्रों तक फैल गया है, इनका फोकस बच्चों को भीख मांगने की प्रवृत्ति से बचाने के साथ साथ नशे की लत से भी बचाना है। इस अभियान से जुड़े जय सिंह के शब्दों में, हमारा मुख्य उद्देश्य है बच्चों को भीख मांने से रोकना और उन्हें शिक्षित कर स्कूल तक पहुंचाना है। कई बच्चों में नशे की लत होती है उन बच्चों को नशे की लत से बाहर लाना एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में उन्हें हम मेडिकल सुविधा दिलाते हैं और उनकी काउंसलिंग कर उन्हें नशे के नकारात्मक प्रभावों के बारे में बताते हैं और नशे को छोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं।'

आज सेव चाइल्ड बेगर दिल्ली के 12 केंद्रों पर दो हजार से अधिक बच्चों को मुफ्त शिक्षा दे रही है। उन्हें सरकारी स्कूल में दाखिला कराना हो या अस्पताल में इलाज कराना ये युवा किसी भी काम से पीछे नहीं हटते।ऐसी एक ओर शख्सियत है अनुराधा भोंसले जिन्होंने हजारों बच्चों को बाल श्रम से आजादी दिलाई है और वे लगातार इस मिशन से जुडी हैं। अनुराधा ने बताया कि उनका मिशन है कि वह देशभर में बाल श्रम का शिकार हो रहे 70 हजार से ज्यादा बच्चों को उनके हक का बचपन दिला सकें। अनुराधा कहना हैं कि बहुत से बच्चों का बचपन जल रहा है जिन्हें उन्हें बचाना है।वे कहती है कि यदि बच्चों के अधिकार के लिए लड़ते हुए किसी ने उन्हें मार भी डाला तो वह उनके लिए बहुत सम्मानपूर्वक मौत होगी। अनुराधा अवनी नाम की संस्था के साथ काम करती हैं। वह सन1995 से गरीब बच्चों के लिए काम कर रही हैं।कौन बनेगा करोड़पति एपिसोड में कर्मवीर सम्मान से नवाज़ी गई अनुराधा भोसले हॉटसीट पर भी विराजमान हुईं। अनुराधा के साथ फिल्ममेकर नागराज मंजुले ने उनका सहयोग किया। दोनों ने शानदार तरीके से सवालों का जवाब देते हुए 25 लाख रुपए अवनी संस्था के नाम किये।

अनुराधा भोंसले कहती हैं कि, गरीबी की वजह से चाईल्डा लेबर नहीं है, चाईल्डा लेबर की वजह से गरीबी है।अभी भी देश में बच्चोंख का इस्तेमाल भीख मांगने के लिए होता है। बहुत सारे बच्चे कूड़ा बीनने का काम करते हैं।इस देश में 4 करोड़ बच्चो स्कू ल नही जा पा रहे है। वे सन 1995 से कचरा बीनने वाले बच्चोंई के लिए काम कर रही हैं। उनका एकमात्र लक्ष्यं यही है कि वह उनका बचपन, उनकी शिक्षा और उनका हक दिला सके।उन्होंरने कोल्हाईपुर में शेल्ट5र होम्स् बनवाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी ।इसी का परिणाम रहा कि वे 70 हजार बच्चों का बचपन बचाने में कामयाब हो पाई।आगे भी उनका अभियान जारी है।उनका कहना है कि जब तक जिऊंगी बच्चों के लिए काम करती रहूंगी।ऐसी ही एक बाल उद्धारक शख्शियत है सिंधुताई। सिंधुताई ने बताया कि वह 20 साल की थी और उनकी बच्ची 10 दिन की। उन्हें ससुराल और मायके वालों ने निकाल दिया था। किसी ने कहा, ये औरत अच्छी नहीं है। लेकिन भूख तो लगती ही है ।इसलिए कुछ तो करना ही था।पहले बगैर टिकट ट्रेन में घूमती रही। स्टेशनों पर भिखारियों के साथ खाना खा लेती थी। भिखारियों ने उन्हें संरक्षण दिया। दिन तो गुजार देती थी लेकिन रात को डर लगता था। केवल 20 साल की जो थी। रात को श्मशान जाती थी सोने के लिए। उन्हें पता था कि वहां कोई मरने के बाद ही आएगा। रात को जब कोई उन्हें देखता तो भूत-भूत कहकर चिल्लाने लगता और भाग जाता था। श्मशान में रहने के बाद मिल बांटकर खाना सीखा और सभी को अपनाना शुरू किया। जिसका कोई नहीं उसकी वह मां बन गई। सिंधुताई ने 1200 बच्चों को गोद लिया और उनका सारा खर्च उठाया।उन्हें अब तक 750 अवार्ड्स मिल चुके हैं। उनके अवॉर्ड्स में राष्ट्रपति सम्मान और अहिल्याबाई पुरस्कार भी शामिल हैं। सिंधुताई ने अमिताभ बच्चन के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया और 25 लाख रुपये भी जीते।वास्तव में समाज के लिए प्रेरक व्यक्तित्व है सिंधुताई और बचपन संवारने वाले ये युवा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सरकारी स्कूलों पर गहराते संकट से निजीकरण का बोलबाला और सामाजिक असमानता

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

भारत की शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। पिछले एक दशक में लगभग 94 हजार सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं, जबकि इसी अवधि में 51 हजार से अधिक निजी स्कूल खुल गए हैं। यह स्थिति न केवल सरकारी शिक्षा प्रणाली की कमजोरियों को उजागर करती है बल्कि बढ़ते निजीकरण के कारण उत्पन्न सामाजिक असमानता को भी सामने लाती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21ए के तहत प्रत्येक बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिया गया है लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह अधिकार धीरे-धीरे कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है। साल 2014-15 से 2023-24 के बीच सरकारी स्कूलों की संख्या 11,07,101 से घटकर 10,17,660 रह गई, यानी लगभग 89,441 स्कूल कम हो गए, जबकि निजी स्कूलों की संख्या 2,88,164 से बढ़कर 3,31,108 हो गई। यह प्रवृत्ति विशेष रूप से ग्रामीण भारत के लिए चिंताजनक है, जहां गरीब और वंचित वर्गों के बच्चों के लिए शिक्षा तक पहुंच लगातार कठिन होती जा रही है।

सरकारी स्कूलों के संकट का एक प्रमुख कारण स्कूल मर्जर नीति है, जिसके तहत कम नामांकन वाले छोटे स्कूलों को बड़े स्कूलों में मिला दिया जाता है। इससे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंच कठिन हो गई। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हजारों स्कूल बंद हुए हैं, जो कुल बंदी का बड़ा हिस्सा हैं। इसके अलावा, शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत संरचना और मिड-डे मील जैसी योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन न होना भी नामांकन में गिरावट के प्रमुख कारण हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कुछ प्रावधान, जैसे एकल शिक्षक स्कूलों को हतोत्साहित करना भी इस प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी स्कूलों में नामांकन में भारी कमी आई है। जबकि निजी स्कूलों में छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ी है। गरीब परिवारों के बच्चे अब मजबूरन निजी स्कूलों की ओर रुख कर रहे हैं लेकिन ऊंची फीस उनके लिए बड़ी बाधा बन जाती है।

निजी स्कूलों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है और शहरी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बच्चे निजी स्कूलों में पढ़ रहे हैं। हालांकि यह वृद्धि कई चिंताएं भी पैदा करती है। निजी स्कूलों में फीस में भारी वृद्धि देखी जा रही है, जिससे निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए शिक्षा प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। शिक्षा का यह बढ़ता निजीकरण उसे एक सामाजिक सेवा से अधिक एक व्यापार में बदलता जा रहा है। शिक्षा का अधिकार कानून के तहत 25 प्रतिशत सीटें गरीब बच्चों के लिए आरक्षित हैं, लेकिन इसका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है, जिससे सामाजिक असमानता और गहरी हो रही है। एक ओर संपन्न वर्ग बेहतर संसाधनों और सुविधाओं वाले निजी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करता है, वहीं दूसरी ओर गरीब वर्ग सीमित संसाधनों वाले सरकारी स्कूलों तक ही सीमित रह जाता है। इस असंतुलन का सीधा प्रभाव ड्रॉपआउट दर पर भी पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में लाखों बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया है, जिनमें बड़ी संख्या किशोरियों की है। इसके पीछे गरीबी, बाल श्रम, परिवार का प्रवास, स्कूलों की दूरी और सुरक्षा की कमी जैसे कई कारण जिम्मेदार हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के लिए शिक्षा प्राप्त करना अधिक कठिन हो जाता है। जब परिवार निजी स्कूलों की फीस वहन नहीं कर पाते और आसपास सरकारी स्कूल उपलब्ध नहीं होते तो बच्चों का शिक्षा से बाहर होना लगभग तय हो जाता है। यह स्थिति आने वाले समय में बेरोजगारी और सामाजिक असमानता को और अधिक बढ़ा सकती है। शिक्षा का निजीकरण केवल शैक्षिक समस्या नहीं है बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी गहराता है। जब सभी वर्गों को समान शिक्षा के अवसर नहीं मिलते, तो समाज में अवसरों का असंतुलन बढ़ता जाता है। भारत में शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 3 प्रतिशत ही खर्च किया जाता है, जबकि इसे 6 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य अभी भी अधूरा है। इसका प्रभाव महिलाओं के सशक्तिकरण, रोजगार के अवसरों और देश के समग्र आर्थिक विकास पर पड़ता है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो यह लोकतंत्र के लिए भी खतरा बन सकती है क्योंकि एक शिक्षित समाज ही जागरूक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करता है। इस संकट से निपटने के लिए सरकार को ठोस और प्रभावी कदम उठाने होंगे। स्कूल मर्जर नीति पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए और ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे स्कूलों को संरक्षित किया जाना चाहिए। रिक्त शिक्षक पदों को शीघ्र भरा जाए और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं जैसे शौचालय, स्वच्छ पेयजल और डिजिटल संसाधन सुनिश्चित किए जाएं। मिड-डे मील योजना की गुणवत्ता में सुधार किया जाए और निजी स्कूलों की फीस पर नियंत्रण तथा निगरानी बढ़ाई जाए। शिक्षा का अधिकार कानून के प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जाए और शिक्षा पर सार्वजनिक निवेश बढ़ाकर इसे सकल घरेलू उत्पाद के 6 प्रतिशत तक पहुंचाया जाए। निजीकरण का बढ़ता प्रभाव सरकारी स्कूलों के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। सरकारी स्कूलों की घटती संख्या और निजी स्कूलों की बढ़ती संख्या यह संकेत देती है कि शिक्षा धीरे-धीरे एक मौलिक अधिकार से हटकर एक व्यापार का रूप लेती जा रही है। इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब और वंचित वर्गों पर पड़ रहा है। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए, तो यह असमानता समाज को गहराई तक प्रभावित करेगी। शिक्षा को बाजार की वस्तु नहीं, बल्कि सामाजिक विकास का आधार मानते हुए इसे मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य इसी पर निर्भर करता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

शरीर में ऑक्सीजन की कमी का भी संकेत हो सकता है बार-बार जम्हाई आना

जम्हाई आना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन ज्यादा जम्हाई आना नॉर्मल नहीं है। जम्हाई को आमतौर पर ऊब या नींद आने का संकेत माना जाता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा उबासी आना शरीर में ऑक्सीजन की कमी, थकान, नींद की कमी, स्लीप एपनिया, नार्कोलेप्सी और क्रोनिक इंसोम्निया जैसी हेल्थ प्रॉब्लम का संकेत हो सकता है। डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करके बार-बार जम्हाई आने की समस्या को रोका जा सकता है।

अगर आप किसी के सामने बार-बार जम्हाई लेते हैं तो वह आपसे सवाल करता है कि क्या आपकी नींद पूरी नहीं हुई है। कभी कभार ऐसा होना नॉर्मल है, लेकिन ऐसा रोज और बार-बार हो रहा है तो इसका कारण जानना जरूरी है। अगर रात में पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने के बाद, ऑफिस में काम करते हुए या पढ़ाई के दौरान बार-बार जम्हाई आए तो ये इस बात का संकेत हो सकता है कि शरीर को जागते रहने या पर्याप्त ऑक्सीजन बनाए रखने में परेशानी हो रही है। आपकी रोज की आदतों या सेहत में कुछ गंभीर समस्याएं हैं, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। जम्हाई ऑक्सीजन के स्तर, मस्तिष्क के तापमान और सतर्कता को नियंत्रित करने में मदद करती है। लेकिन बार-बार जम्हाई आने का मुख्य कारण थकान और अपर्याप्त नींद हो सकती है।

जब शरीर को पर्याप्त आराम नहीं मिलता, तो मस्तिष्क जम्हाई बढ़ाकर खुद को सतर्क रखने का प्रयास करता है। खराब नींद, सोने और जागने की गलत आदतें और सोने से पहले स्क्रीन पर अधिक समय बिताना, ये सभी दिन में नींद आने और बार-बार जम्हाई लेने का कारण बन सकते हैं। जब आपके सामने कोई जम्हाई लेता है तो आपको भी जम्हाई आने लगती है। इसे 'संक्रामक जम्हाई' कहते हैं। ऐसा मस्तिष्क के मिरर न्यूरॉन्स के कारण होता है। मिरर न्यूरॉन्स दूसरों के व्यवहार की नकल करते हैं। बार-बार जम्हाई आना इस बात का संकेत है कि शरीर और मन असामान्य स्थिति में हैं। इसके लिए सबसे पहले समस्या का कारण जानना जरूरी है। आमतौर पर बार-बार जम्हाई आना कुछ समस्याओं का संकेत हो सकता है- ब्लड में ऑक्सीजन की कमी, स्लीप एपनिया, नार्कोलेप्सी , क्रोनिक इंसोम्निया और मानसिक थकान। जम्हाई यानी उबासी से बचना आसान है। इसके लिए अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव करें- पर्याप्त नींद लें, तनाव से बचें , दिनभर एक्टिव रहें , रेगुलर एक्सरसाइज करें, शरीर में पानी की कमी न होने दें, सोने से पहले हेवी फूड न लें।

शरीर के संकेत समझें: जम्हाई आना आमतौर पर कोई गंभीर बात नहीं है, लेकिन अगर यह बार-बार या बिना किसी कारण के आती है, तो आपको इस पर ध्यान देना चाहिए। हो सकता है आपका शरीर आपको कुछ बताने की कोशिश कर रहा हो। हो सकता है वह कह रहा हो कि आपको आराम करने, ऑक्सीजन लेने या हेल्थ चेकअप की जरूरत है।

सुविचार

किरण चाहे सूर्य की हो या फिर
आशा की, जीवन के सभी
अंधकार मिटा देती है।
-अज्ञात

निशाना

जिंदगी ऐसे गुजारी जाये..!

रामकिशोर नाविक

ज़िंदगी ऐसे गुज़ारी जाये
साथ न ले के उधारी जाये
शे,र उतरें यूँ आपके दिल में
जैसे मंदिर में पुजारी जाये
अर्ज़ है मेरी आप हाँ कह दें
बात खाली ना हमारी जाये
देखते रहें और मन ना भरे
ऐसी तस्वीर उतारी जाये
किसी भी तौर याद कर लेना
हमसे आदत ना सुधारी जाये।

न्यू लॉन्च

10 हजार के कम में 150 इंच स्क्रीन का मजा बिना बिजली दो घंटे से ज्यादा चलेगा प्रोजेक्टर

10 हजार से कम में XElectron ने पोर्टेबल स्मार्ट प्रोजेक्टर लॉन्च किया है। इस प्रोजेक्टर से प्रोजेक्शन 150 इंच तक मिलेगा। यानी कि आप प्रोजेक्टर के जिरए 150 इंच तक की स्क्रीन पर कंटेंट देख सकते हैं। प्रोजेक्टर में इन बिल्ट बैटरी दी गई है, जो दो घंटे तक चलती है। इसका साइज और डिजाइन ऐसा है कि इसे आसानी से कभी भी, कहीं भी ले जा सकते हैं। इसकी खासबात ये है कि इसमें बिल्ट-इन बैटरी दी गई है, जो दो घंटे से ज्यादा का प्लेबैक देती है। इसका मतलब है कि आप बिजली नहीं होने पर भी प्रोजेक्टर के जरिए फिल्में आदि देख सकते हैं। इसकी कीमत 10 हजार रुपये से कम है।

मिलती है 3200mAh की बैटरी: Electron के इस प्रोजेक्टर को लगातार पावर से जोड़ने की जरूरत नहीं पड़ती। इसमें 3200mAh की बैटरी दी गई है, जो दो घंटे तक चल सकती है। इसका मतलब है कि आप पिकनिक आदि जगह पर भी बिना बिजली के भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। यह 150 इंच स्क्रीन साइज का प्रोजेक्शन कर सकता है।

कई स्मार्ट फीचर्स: PocketBeam का साइज काफी छोटा है। लेकिन इसमें कई स्मार्ट फीचर्स मिलते हैं। प्रोजेक्टर का वजन 0.6 किलोग्रान है। यह 720P HD रिजॉल्यूशन को सपोर्ट करता है और 1080P कंटेंट को भी डिकोड कर सकता है। इसमें 6000 लुमेन तक की तेज LED लाइट मिलती है। इसके अलावा, प्रोजेक्टर के अन्य फीचर्स की लिस्ट में ऑटो कीस्टोन करेक्शन और रिमोट फोकस शामिल हैं। साथ ही, इसमें डुअल-बैंड Wi-Fi, Bluetooth 5.0 और वायरलेस स्क्रीन मिररिंग का सपोर्ट भी मिलता है। यह डिवाइस Android 13 पर आधारित सिस्टम पर चलता है। इसमें vGB RAM और 8GB इंटरनल स्टोरेज है। इसकी मदद से यूजर्स Netflix, अमेजन प्राइमवीडिया और यूट्यूब आदि को सीधे एक्सेस कर सकते हैं। यह प्रोजेक्टर उन लोगों के लिए काफी उपयोगी है, जो घर के लिए बड़ा टीवी नहीं खरीदना चाहते हैं।

कितनी है कीमत?: PocketBeam पोर्टेबल स्मार्ट प्रोजेक्टर की कीमत 9,990 रुपये है। यह ब्रांड की ऑफिशियल वेबसाइट और Amazon जैसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बिक्री के लिए उपलब्ध है।

अजब - गजब

ऑस्ट्रेलिया का आसमान हुआ 'खून' जैसा लाल नजारा देख सहमे लोग, आई हॉलीवुड फिल्म की याद

कल्पना कीजिए, आप खिड़की खोलें और सामने आसमान नीले रंग की जगह डरावना एक दम सुर्ख लाल रंग का नजर आए। ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी इलाके में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जिसने लोगों को हैरान और डरा दिया है। यह नजारा किसी हॉलीवुड की 'एंड ऑफ द वर्ल्ड' फिल्म जैसा लग रहा था, मानो हकीकत में बदल गया हो। अब सवाल उठता है कि आखिर इस 'खूनी' आसमान के पीछे की वजह क्या है?

वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शार्क बे और डेनहम के लोगों के लिए यह नजारा किसी डरावने सपने से कम नहीं थी। सूरज तो निकला, लेकिन उसकी रोशनी नजर नहीं आ रही थी और चारों तरफ गहरा लाल रंग छाया हुआ था। घर, सड़कें, गाड़ियां और यहां तक कि समुद्र किनारा भी लाल रंग में ढका दिखाई दे रहा था।

हालांकि इसके पीछे कोई रहस्यमयी या अलौकिक वजह नहीं थी। दरअसल, इसका कारण 'ट्रॉपिकल साइक्लोन नरेल' था। 27 मार्च को यह चक्रवात करीब 250 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तट से टकराया, जिससे रेगिस्तान की आयरन-युक्त लाल मिट्टी हवा में उड़ गई। जब सूरज की किरणें इन धूल कणों से टकराईं, तो 'स्कैटरिंग' की प्रक्रिया के कारण पूरा आसमान लाल रंग का दिखाई देने लगा।

जैसे ही इस अजीब नजारे की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर सामने आए, लोगों के बीच चर्चा तेज हो गई। शार्क बे कैरावन पार्क के निवासियों ने बताया कि माहौल बेहद अजीब और डरावना था।

लोग घरों के अंदर ही रहने को मजबूर थे और बाहर का दृश्य ऐसा लग रहा था मानो प्रकृति कोई बड़ा संकेत दे रही हो। भले ही विज्ञान ने इसकी वजह साफ कर दी हो, लेकिन उस समय वहां मौजूद लोगों के लिए यह अनुभव किसी कयामत से कम नहीं था। ऑस्ट्रेलिया की यह घटना एक प्राकृतिक और अस्थायी घटना थी, लेकिन इसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अब वहां हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं, लेकिन वह लाल आसमान का नजारा लोगों के मन में लंबे समय तक बना रहेगा।

न्यूज विंडो

आवासीय संस्कृत प्रबोधन वर्ग को लेकर समीक्षा बैठक

गंजबासौदा। संस्कृत भारती के तत्वावधान में आयोजित होने वाले मध्यभारत प्रांत के सात दिवसीय आवासीय संस्कृत प्रबोधन वर्ग को लेकर सोमवार को मील माता मंदिर परिसर में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न जनपदों एवं विकासखंडों से आए संस्कृत भारती के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक के दौरान प्रबोधन वर्ग के सफल आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा कार्यकर्ताओं के बीच विभिन्न दायित्वों एवं कार्यों का विभाजन किया गया। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि नगर के सभी आयु वर्ग एवं सभी वर्गों के इच्छुक प्रतिभागियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग संस्कृत भाषा से जुड़ सकें। संस्कृत प्रबोधन वर्ग के लिए पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। पंजीयन की अंतिम तिथि 25 अप्रैल निर्धारित की गई है। बैठक में यशवंत दुबे, विनोद कुमार शर्मा, भूपेंद्र सेन, सुश्री अभिलाषा चतुर्वेदी, मोहित शर्मा, संगीता राजपूत, श्रीमती शकुन अग्रवाल, पंडित अनिल चतुर्वेदी, विमलेश लोधी, भूपेंद्र रघुवंशी, विपिन शर्मा सहित संस्कृत भारती के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी वर्ग महाप्रबंधक यशवंत दुबे द्वारा दी गई।

राज्यसभा में गूंजी मध्य प्रदेश के ओलावृष्टि प्रभावित किसानों की पुकार

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश में हालिया ओलावृष्टि, भारी बारिश और तेज हवाओं से रबी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। इस मुद्दे को राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने मंगलवार को सदन में विशेष उल्लेख के जरिए उठाया और केंद्र सरकार से तत्काल राहत की मांग की।उज्जैन, धार, रतलाम और शाजापुर समेत करीब 25 जिलों में गेहूं जैसी फसलें पूरी तरह तबाह हो गई हैं। सांसद नारोलिया ने भावुक स्वर में कहा, ÷कटाई के चरम समय पर किसानों की साल भर की मेहनत पर पानी फिर गया है। फसल गिरने और दानों के झड़ने से उनका सब कुछ बर्बाद हो गया।÷ उन्होंने सिंचाई पाइप और भंडारण जैसी संपत्तियों को हुए नुकसान का भी जिक्र किया। नारोलिया ने सरकार से जिलावार क्षति सर्वे की समय-सीमा तय कर रिपोर्ट पूरी करना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ मानदंडों के तहत अतिरिक्त केंद्रीय सहायता, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत सरलीकृत दस्तावेजीकरण से समय पर मुआवजा, सरकारी खरीद केंद्रों पर फसल गुणवत्ता मानकों में ढील देकर सुचारू खरीद व अन्य मांगे रखीं। उन्होंने अंत में अन्नदाताओं को पारदर्शी और न्यायपूर्ण राहत देने का आग्रह किया। यह मुद्दा किसानों के बीच बढ़ते असंतोष को दर्शाता है, जहां मौसम की मार ने उनकी आजीविका पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गाजी खान और अंश बहुत्रा का एमपी सब-जूनियर हॉकी टीम में चयन

नर्मदापुरम। खेलो इंडिया में इटारसी का परचम लहराने को तैयार है। शहर के होनहार खिलाड़ी गाजी खान और नर्मदापुरम के अंश बहुत्रा का चयन मध्य प्रदेश सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम में हो गया है। दोनों हॉकी होशंगाबाद से जुड़े हैं और 16वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर पुरुष नेशनल चैंपियनशिप में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। हॉकी मध्य प्रदेश के महासचिव लोक बहादुर

की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, टीम का चयन 19-20 मार्च को जबलपुर में हुए ट्रायल्स पर आधारित है। गाजी खान व अंश बहुत्रा ने शानदार प्रदर्शन कर 18 सदस्यीय टीम में जगह पक्की की। चैंपियनशिप बिहार के राजगीर में 1 से 12 अप्रैल तक आयोजित होगी। एमपी टीम आज रात 9:20 बजे राजगीर रवाना होगी।हॉकी नर्मदापुरम के अध्यक्ष राजेंद्र तोमर, सचिव साजिद मलिक, कोषाध्यक्ष सर्वजीत सिंह सैनी और कोच कन्हैया गुरयानी ने उनकी उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। स्थानीय खेलप्रेमी भी गर्व से भर आए हैं।

पल्लवी ने रिवर्स राइटिंग में बनाया रिकॉर्ड, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम की धरा पर एक और गौरव की इबारत लिखी गई है। श्रीमती पल्लवी पारे चौकसे ने अपनी अनूठी मिरर इमेज या रिवर्स राइटिंग कला से इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2026 में जगह बनाई है। वर्ष 2000 से चली आ रही 25 वर्षों की कठिन साधना के दम पर उन्होंने तुलसीकृत श्रीरामचरितमानस, श्रीमद्भगवद्गीता, मधुशाला और बाइबिल (नया विधान) जैसे महाग्रंथों को उलटे अक्षरों में लिखकर यह कमाल किया।पल्लवी की यह यात्रा 2000 में शुरू हुई, जब पढ़ाई के दौरान उन्होंने नोट्स उलटे लिखने की आदत डाली। पिता अरुण पारे ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और प्रोत्साहित किया, जबकि माता अलका पारे के धार्मिक संस्कारों ने इसे आध्यात्मिक रूप दिया। विवाह के बाद पति महेंद्र चौकसे का समर्पण ही उनका सबसे बड़ा सहारा बना। उन्होंने पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच भी पल्लवी की साधना को कभी रुकने नहीं दिया।पल्लवी इस सफलता का श्रेय भगवान सत्य साईं बाबा को देती हैं। उनके भाई कौस्तुभ पारे के माध्यम से बाबा ने पल्लवी के लिखे रामचरितमानस को स्पर्श कर आशीर्वाद दिया, जिसे वे अपनी तपस्या का प्रतिफल मानती हैं। उनके बेटे शिवोहम और शाम्भव चौकसे भी माता की उपलब्धि पर गर्व से चमक रहे हैं।जिला परियोजना समन्वयक डॉ. राजेश जायसवाल ने पल्लवी का स्वागत कर बधाई दी। नर्मदापुरमवासी और परिजनों ने हर्ष जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पल्लवी की यह उपलब्धि श्रद्धा, साधना और पारिवारिक समर्पण का अनुपम संगम है।

रमपुरा से रिछावर घाट जा रही नाव अचानक हुई अनियंत्रित

16 सवारियों से भरी नाव नर्मदा नदी में पलटी, चार बहादुरों ने सभी को बचाया

रायसेन। दोपहर मेट्रो

जिले में जिला मुख्यालय से करीब 180 कि.मी दूर देवरी थाना इलाके में नर्मदा नदी के रमपुरा घाट पर सोमवार शाम को स्थानीय युवाओं की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। दरअसल, रमपुरा से रिछावर घाट जा रही एक नाव, जिसमें 16 यात्री सवार थे। साथ ही, इसमें मोटरसाइकिल भी लदी थीं, अचानक अनियंत्रित होकर नदी में पलट गई। नाव रमपुरा घाट से नरसिंहपुर जिले के रिछावर घाट जा रही थी, इसी दौरान हादसे का शिकार हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो नाव में क्षमता से ज्यादा लोग और वाहन सवार थे, जो हादसे का कारण बना। नाव पलटते देख स्थानीय चार युवाओं ने अपनी जान की परवाह किए बिना नदी में छलांग लगा दी और सभी को बचाकर बाहर ले आए, जिससे बड़ी अनहोनी टल गई। बताया जा रहा है कि, नाव में उसकी क्षमता से अधिक भार था, जिसके चलते उसने पानी पर अपना संतुलन खो दिया और उसमें धीरे-धीरे पानी भरने लगा। यात्रियों को स्थिति का अंदाजा होता, उससे पहले ही नाव डगमगाई और अचानक पलट गई। देखते ही देखते सभी यात्री और बाइक नदी में गिर गए, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के दौरान स्थानीय चार युवकों ने साहस का परिचय देते हुए बिना देर किए नदी में छलांग लगा दी और तेज बहाव को चीरते हुए एक-एक कर सभी नाव सवारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जानकारी ये भी सामने आई है कि, जिस नाव सवारों को चारों युवाओं ने अपनी जान पर खेलकर बचाया, उसपर व्यस्क लोगों के बजाए बच्चे, महिलाएं और पुरुष शामिल थे। युवकों की तत्परता और सूझबूझ से नाव सवार सभी 16 यात्रियों की जान तो बच गई, पर नाव पर रखी सभी 5 मोटरसाइकिलें नदी में डूब गईं, जिन्हें अब प्रशासन की मदद से निकाला जा रहा है। अबतक 3 बाइकें बाहर निकाली जा ससकी हैं, जबकि दो अन्य बाइकें तलाश की जा रही हैं। घटना के तुरंत बाद सभी यात्रियों को देवरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। डॉक्टरों के अनुसार, सभी यात्रियों की स्थिति खतरे से बाहर है।

बहादुरों का होगा सम्मान

दूसरी तरफ प्रशासन ने हादसे के दौरान साहस दिखाने वाले चारों युवाओं को सम्मानित करने की घोषणा की है। उनकी बहादुरी और तत्परता के चलते 16 जिंदगियां सुरक्षित बच सकीं। नाव में सवार लोगों की जान बचाने वाले बहादुरों के नाम गंगाराम लोधी, डोमल लोधी, संदीप लोधी और सीरविंद लोधी बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही देवरी तहसीलदार जयपाल उइके और थाना प्रभारी जयदीप भदोरिया मौके पर पहुंचे। उन्होंने पूरे घटनाक्रम का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाई। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

नावों की सुरक्षा और ओवरलोडिंग पर उठे सवाल

वहीं, हादसे के बाद नदी में संचालित नावों की सुरक्षा व्यवस्था और ओवरलोडिंग पर सवाल खड़े होने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि, घाटों पर क्षमता से अधिक सवारी बैठाने पर कोई सख्ती नहीं होती, जिससे ऐसे हादसों का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग है कि, घाटों पर नाव संचालन के नियमों का सख्ती से पालन हो, ताकि भविष्य के किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

धार वन विभाग ने बगड़ी फाटे के पास से अवैध लकड़ी से भरा वाहन जब्त किया, दो गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

वन विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना पर बगड़ी फाटे के समीप घेराबंदी कर अवैध खेर की लकड़ी से भरा एक वाहन को पकड़ा है। उक्त कार्रवाई वन मंडल अधिकारी विजयानंथम टी. आर. के मार्गदर्शन में की गई है।

वन परिक्षेत्र अधिकारी सचिन सयदे ने बताया कि रविवार रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक वाहन में अवैध लकड़ी ले जाई जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक गश्ती एवं चेकिंग दल का गठन किया गया। टीम ने बगड़ी फाटे मार्ग पर नजर रखी। इसी दौरान वाहन वहां से गुजरा, जिसे टीम ने घेराबंदी कर रुकवाया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में खेर की लकड़ी भरी हुई पाई गई। वाहन में सवार मुस्ताक पिता रसल और सादिक पिता अरबअलि दोनों निवासी ग्राम अंतराय से जब लकड़ी की कटाई और परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज या अनुज्ञा पत्र मांगा गया तो वे कोई भी कागज पेश नहीं कर सके। वन विभाग की टीम ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए वाहन और लकड़ी को जब्त कर लिया। जब्त की गई लकड़ी का वजन लगभग 2 क्विंटल बताया जा रहा है, जिसका बाजार मूल्य करीब 30 हजार रुपये है। वहीं, जब्त किए गए वाहन की अनुमानित कीमत 2 लाख रुपये आंकी गई है। फिलहाल वाहन को वन परिक्षेत्र कार्यालय धार लाया गया है और आरोपियों के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।उक?त कार्यवाही में वन स्टाफ के जीतेन्द्र गौड, रामसिंह कनेल, महेन्द्र डामरे, नर्गेश चौहान और प्रिया सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

वेतन नहीं मिलने से आहत एरिया मैंनेजर ने फांसी लगाकर की थी आत्महत्या

धार। दोपहर मेट्रो

मुझे वेतन नहीं दिया जा रहा है, इसलिए में ऐसा कदम उठा रहा हूं, मैने इसकी कंपनी में भरोसा करके इसकी कंपनी के लिए बहुत अच्छा कार्य किया पर यह मुझे झूठे दिलासे देता रहा इसके ऊपर कठिन से कठिन कार्रवाई करें कुछ ऐसी ही बातें का मैसेज बहन कल्याणी और दोस्त पराग को सेंड कर बाग के 28 वर्षीय युवक रजत पिता रविशंकर भोपे ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। रजत ने उसकी आत्महत्या के लिए ब्लु व्हेल कम्पनी के मालिक होतमसिंह पिता विमलसिंह निवासी सिद्धार्थ नगर ठठीपुर मोरर ग्वालियर को जिम्मेदार ठहराया। रजत खाद बीज कंपनी ब्लू व्हेल सीड्स कंपनी में कार्य करता था उसे कई माह से वेतन भी नही मिला था और कंपनी का मालिक उसे प्रताड़ित करता था जिससे परेशान होकर उसने 17 मार्च को फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। बाग पुलिस ने मामले में जांच के दौरान कंपनी के मालिक होतमसिंह पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। धार जिले के कुक्षी तहसील के ग्राम डेहरी में विगत 17 मार्च को मध्य रात्रि को ग्राम के 27 वर्षीय युवक रजत भोपे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। रजत भोपे माता-पिता का एकलौता पुत्र था तथा ग्रामीणों में रजत की छवि सरल सहज और स्वाभिमानी युवक के रूप मानी जाती थी जिसने अन्नी सीड्स कंपनी में लगभग तीन वर्षों तक कार्य करने के बाद एक माह पूर्व ही ब्लू व्हेल कंपनी में नौकरी ज्वाइन की थी। कंपनी के मालिक ब्लु व्हेल कम्पनी के मालिक होतमसिंह पिता विमलसिंह निवासी सिद्धार्थ नगर ठठीपुर मोरर ग्वालियर के द्वारा उसे प्रताड़ित किया जा रहा था।

समाज को एकजुट रहने का दिया संदेश

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक शहर में सोमवार देर शाम राष्ट्रीय बजरंग दल और अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया एक कार्यक्रम के तहत मंडीदीप पहुंचे। यहां उन्होंने भक्तिमय माहौल में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का किया और उसके बाद आयोजित धर्म सभा को संबोधित किया। प्रवीण भाई तोगड़िया ने अपने भाषण में हिंदू समाज को एकजुट रहने, धार्मिक परंपराओं का पालन करने और हनुमान चालीसा जैसे पवित्र पाठ के माध्यम से शक्ति प्राप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने हिंदू एकता और सांस्कृतिक जागरण पर जोर देते हुए कहा कि हनुमान चालीसा पाठ न केवल भक्ति बढ़ाता है बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सुरक्षा की भावना भी जगाता है। यह कार्यक्रम हिंदू समाज को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रवीण तोगड़िया के आगमन पर स्थानीय स्तर पर खासा उत्साह देखा गया और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

रात में नए बस स्टैंड पर आग से चार दुकानें जलीं, लाखों रुपए का हुआ नुकसान

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर के नए बस स्टैंड क्षेत्र में बीती रात अचानक लगी आग से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की चपेट में आकर चार दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। इस आग में लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

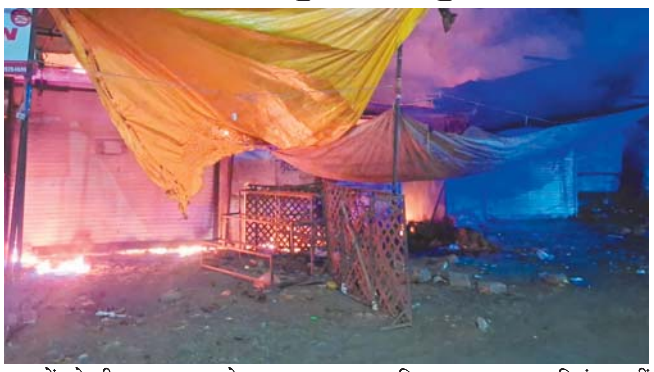

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देर रात अचानक एक दुकान से धुआं उठता दिखाई दिया, जिसके बाद कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर से ही दिखाई दे रही थीं, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि जिन दुकानों में आग लगी उनमें मुख्य रूप से किराना एवं दैनिक उपयोग की सामग्री रखी हुई थी, जो पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। दुकानों में रखा फर्नीचर, काउंटर, इलेक्ट्रिक सामान सहित अन्य सामग्री भी आग में जल गई। आग की तीव्रता के कारण आसपास की अन्य दुकानों को भी खतरा उत्पन्न हो गया था। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर एकत्रित हो गए और अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद नगर पालिका की दमकल टीम को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया जा सका। दमकल कर्मियों की तत्परता के चलते आग को और फैलने से रोक लिया गया, जिससे आसपास की कई अन्य दुकानों को सुरक्षित बचा लिया गया। यदि समय पर आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो नुकसान और भी अधिक हो सकता था। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। हालांकि प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद व्यापारियों में चिंता का माहौल है। स्थानीय व्यापारियों ने प्रशासन से नए बस स्टैंड क्षेत्र में सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके।

मेट्रो एंकर

भाजपा, कांग्रेस सहित सर्व समाज ने किया शोभायात्रा का स्वागत

भगवान महावीर जयंती पर निकाली प्रभात फेरी, रथ यात्रा, हुआ धर्म ध्वजा वंदन

खंडवा। दोपहर मेट्रो

भगवान महावीर जयंती पर प्रातः 5.30 बजे सराफा पाश्र्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से शहर के विभिन्न मार्गों पर प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभातफेरी के समापन पर तुलसी उद्यान में ध्वजारोहण समाज के वरिष्ठ वीरेंद्र जैन साटकुट, विनोदनी जैन, सुभद्रा जैन द्वारा किया गया। यहां रथ यात्रा के लिए समाजजनों द्वारा बोली लगाई गई। भगवान महावीर स्वामी की रथ यात्रा प्रातः 8 बजे पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सराफा से निकाली गई जो महावीर जैन उद्यान पहुंची। जैन स्तंभ महावीर वाटिका में केसरिया ध्वज अतिथि एसडीएम ऋषि सिंघई, डॉ. सुभाष जैनी, सुरेश लुहाडिया द्वारा फहराया गया। स्वागत वीरेंद्र जैन ने किया एवं संचालन पंकज जैन महल द्वारा किया गया। रथ यात्रा में कांतिभाई जैन, संजय पंचोलीया ने भजनों की प्रस्तुति दी। पं. निखिलेश जैन द्वारा समस्त धार्मिक क्रियाएं संपन्न हुई। महावीर उद्यान में ध्वजारोहण के बाद रथयात्रा घासपुरा महावीर जैन मंदिर पहुंची। यहां महाआरती के साथ महिला मंडलों एवं श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य भी किया। तत्पश्चात रथयात्रा नमिनाथ श्वेतांबर मंदिर पहुंची यहां भी श्वेताम्बर जैन समाज द्वारा सामूहिक आरती की गई। यहां से रथयात्रा पोरवाड़ दिगम्बर जैन धर्मशाला पहुंची जहां पर भगवान महावीर का अभिषेक व शांतिधारा एवं आरती की गई। रथ यात्रा में भाजपा संभाग प्रभारी सुरेश शर्मा, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, महापौर अमृता अमर यादव, मुकेश तन्वे, पूर्व महापौर सुभाष कोठारी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा रघुवंशी, नेता प्रतिपक्ष दीपक मुल्लू राठौर, सुनील जैन, प्रेमांशु चौधरी, सुधांशु जैन ने हाथों से खींचा एवं भगवान महावीर की आरती भी की।

इन्हें मिला रथ यात्रा का सौभाग्य

सोमवार को निकली रथ यात्रा में सरोज स्व. सुभाष गदीया, सचिन गदिया को महावीर भगवान को रथ पर लेकर बैठने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। अविनाश जैन, अंकित जैन सराफ परिवार को श्रीजी का रथ हांकने का एवं श्रीजी का स्वर्ण कलश चतुर्थ कलश करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्रीजी शांति धारा करने का सौभाग्य विहार ग्रुप को प्राप्त हुआ। जसवंती कैलाशचंद जैन लोनारा परिवार को श्रीजी की माला पहनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

जिम्मेदार बेखबर... हादसे को न्यौता दे रहे भूसे से भरे ओवरलोड वाहन

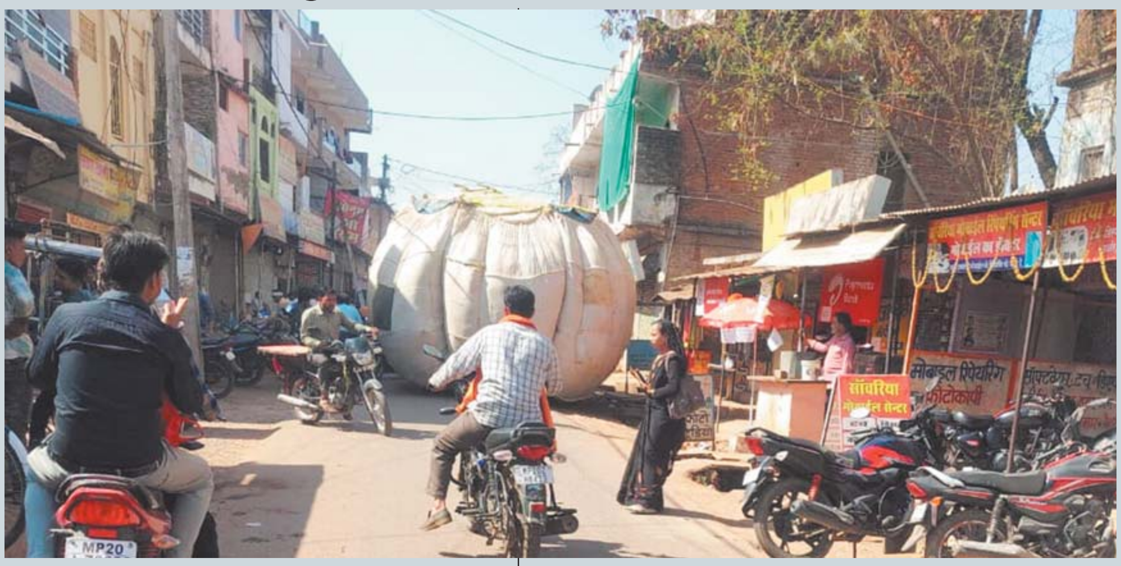

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वन परिक्षेत्र अंतर्गत बासनघाट बीट में पदस्थ एक वनरक्षक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार देर शाम लगभग 8 बजे वनरक्षक अभिराज झारिया पिता कैलाश झारिया उम्र 28 वर्ष, निवासी धनगुवा थाना सिहोरा जिला जबलपुर, अपनी नियमित बीट भ्रमण ड्यूटी से वापस तेंदूखेड़ा स्थित निवास लौट रहे थे। इसी दौरान जंगल मार्ग पर अचानक 3-4 जंगली सूअर उनके सामने आ गए। वन्यजीवों को बचाने के प्रयास में उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सूअर से टकरा गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।

घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद अन्य वनकर्मियों द्वारा उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के पश्चात उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वर्तमान में उनका इलाज जबलपुर स्थित एक निजी अस्पताल में जारी है, जहां डॉक्टरों द्वारा उनके पैर के गंभीर फ्रैक्चर का ऑपरेशन किया जा रहा है।

घायल वनरक्षक ने बताया कि इन दिनों जंगलों में आगजनी की घटनाओं की रोकथाम हेतु उन्हें देर रात तक गश्त करनी पड़ती है। घटना के समय भी वे ड्यूटी से लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में पानी की कमी के कारण जंगली जानवर अक्सर जंगल से बाहर निकलकर पानी की तलाश में भटकते हैं। आशंका जताई जा रही है कि सूअरों का झुंड भी पानी की तलाश में पास के क्षेत्र में गया था और लौटते समय यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा एवं घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई और विभाग ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। विभागीय अधिकारियों द्वारा पूरे मामले की निगरानी की जा रही है। वन विभाग ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए जंगल क्षेत्रों में गश्त के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने की अपील की है। साथ ही ग्रामीणों और वाहन चालकों को भी जंगल मार्गों पर विशेष सतर्कता रखने की सलाह दी गई है, ताकि इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

न्यूज विंडो

नर्मदा लाइन में लीकेज, तेंदूखेड़ा में नहीं मिल रहा समय पर पानी

तेंदूखेड़ा। नगर में नर्मदा जलापूर्ति योजना इन दिनों गंभीर अव्यवस्थाओं का शिकार होती दिखाई दे रही है। लगभग 45 किलोमीटर दूर लम्हेटाघाट से तेंदूखेड़ा तक लाई गई नर्मदा जल लाइन में अनेक स्थानों पर हो रहे लीकेज के कारण नगर में नियमित एवं व्यवस्थित जल आपूर्ति नहीं हो पा रही है। यह महत्वाकांक्षी योजना, जो आम नागरिकों को राहत देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। गर्मी के इस मौसम में जब जल की आवश्यकता सबसे अधिक होती है, तब भी नर्मदा जल सप्लाई का कोई निश्चित समय निर्धारित नहीं है। स्थिति इतनी खराब है कि कई क्षेत्रों में 48 घंटे बीत जाने के बाद भी लोगों को पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इससे आमजन को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नगर के कई वार्डों में अभी भी नगर परिषद की पुरानी जल आपूर्ति व्यवस्था पर निर्भर रहना पड़ रहा है। सोमवार को भी बासन घाट क्षेत्र की पाइपलाइनों में लीकेज के चलते पानी सही तरीके से नहीं पहुंच पाया। यही स्थिति नगर के अन्य हिस्सों में भी बनी हुई है, जहां कई स्थानों पर पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण पानी का बहाव प्रभावित हो रहा है।

दतिया में भाजपा पार्षद की चौराहे पर गोली मारकर हत्या

दतिया। सेवड़ा चुंगी चौराहे पर मंगलवार को ताबड़तोड़ फायरिंग हो गई। सुबह लगभग 8:30 बजे भारतीय जनता पार्टी के पार्षद कल्लू कुशवाहा को गोलियों से भून डाला गया। पार्षद कल्लू कुशवाहा भी एक हत्या के मामले में सजा पा चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि घटना को पुरानी किसी रंजिश को लेकर अंजाम दिया गया है। घटना के बाद समर्थकों की भारी भीड़ पहुंच गई और विरोध प्रदर्शन करने लगी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को काबू में किया है। हमलावरों की तलाश की जा रही है।

नपा की पीआईसी बैठक: 4 अरब का बजट पेश, 65 अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर

धार में खेल प्रतिभाओं के लिए स्टेडियम और विनायक हॉस्पिटल के सामने बनेंगी दुकानें

मॉम एंड किड्स गार्डन में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के विकास और आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना को लेकर नगर पालिका कार्यालय में पीआईसीकी बैठक आयोजित की गई। नगर पालिका अध्यक्ष नेहा महेश बोड़ाने की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में आगामी वर्ष 2026-27 के लिए 4 अरब रुपये का अनुमानित बजट पेश किया गया। इस बजट में शहर के बुनियादी ढांचे, सौंदर्यीकरण और जनसुविधाओं पर विशेष फोकस करते किया गया है जिसमें पूरे वर्ष के लिए लगभग 16 लाख रुपये की बचत का अनुमान लगाया गया है।

बैठक के दौरान कुल 65 बिंदुओं वाले एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें शहर के विकास से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी दिखाई गई जिसमें विनायक हॉस्पिटल के सामने लगभग 6.5 करोड़ रुपये की लागत से नवीन दुकानों का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, अनिल प्लाजा के सामने कुशाभाऊ ठाकरे कैंपस की दुकानों की छत को लीज पर देने का निर्णय भी लिया गया। शहर की खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए 10 करोड की लागत से एक आधुनिक स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा साथ ही, आपातकालीन सेवाओं के लिए फायर स्टेशन बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। शहर के विभिन्न चौराहों और प्रमुख स्थानों पर प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी, जिसके लिए 2 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान रखा गया है। इसमें आदर्श सड़क स्थित मॉम एंड किड्स गार्डन में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति लगाने का प्रस्ताव भी शामिल है।

ग्रीन स्पेस पार्क के निर्माण की बढ़ेगी समयसीमा

प्रधानमंत्री अमृत 2.0 योजना के तहत जल प्रदाय योजना में लापरवाही बरतने पर ठेकेदार मेसर्स जयंती सुपर कंस्ट्रक्शन प्रा.लि. मेहसाणा गुजरात को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू करने की स्वीकृति दी गई। रामी तलाई पर बन रहे ग्रीन स्पेस पार्क के निर्माण की समय सीमा बढ़ाने और शहर में लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के लिए मेसर्स भगवती एंटरप्राइजेज की निविदा को मंजूरी दी गई। वार्ड क्रमांक 4, 6, 8, 11, 15 और 25 सहित कई वार्डों में नई सी.सी. रोड, नाली निर्माण और ड्रेनेज लाइन के लिए निविदाओं को स्वीकृति दी गई है। बैठक में उच्च न्यायालय के आदेशानुसार दिवगंत/बर्खास्त सहायक राजस्व निरीक्षक स्व. श्री अंतिम राठौर को बहाल करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही, आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जल प्रदाय, बिजली, स्टेशनरी और स्वच्छता सामग्री के लिए नए टेंडर जारी करने की प्रक्रिया को भी अनुमोदित किया गया।

सूने घर से चुरा ले गए सामान, केस दर्ज

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में चोरी की घटनाओं का सिलसिला लगातार जारी है, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। ताजा मामला रविवार-सोमवार की दरमियानी रात का है, जब वार्ड क्रमांक 11 में चोरों ने एक सुनसान मकान को निशाना बनाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर परिषद के कर्मचारी विनोद कुमार तिवारी, जो वर्तमान में बकस्वाहा जिला छतरपुर में पदस्थ हैं, अपने परिवार सहित किसी कार्य सिलसिले मै भोपाल गए हुए थे। उनके घर के सूना था जिसका फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

सोमवार सुबह आसपास के लोगों की नजर जब उनके घर के मुख्य गेट और दरवाजे पर पड़ी, तो ताले टूटे हुए मिले। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।

पुलिस मौके पर पहुंची और जांच प्रारंभ की, लेकिन घर के मालिक एवं परिवार के सदस्यों के अनुपस्थित होने के कारण यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि चोरी में क्या-क्या सामान गया है और कुल चोरी कितने की हुई है। पुलिस द्वारा तिवारी को सूचना दे दी गई है, किंतु समाचार लिखे जाने तक वे तेंदूखेड़ा नहीं पहुंचे थे। उनके आने के बाद ही पता चल सकेगा। गौरतलब है कि इससे पहले 20 मार्च को भी नगर में एक सूने मकान में चोरी की घटना सामने आई थी, जिसमें लगभग 6 लाख रुपये की चोरी हुई थी। उस मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया था। स्थानीय नागरिकों कमल नारायण, रत्नेश और गोविंद बबलू ने आशंका जताई है कि क्षेत्र में कोई संगठित गिरोह सक्रिय है, जो केवल सुनसान घरों को निशाना बना रहा है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि इस प्रकार की घटनाओं पर जल्द अंकुश लगाया जा सके।

कोतमा-बिजुरी-अनूपपुर में खुला खेल, प्रशासन पर गंभीर सवाल

पुरानी शराब का 'अंडरग्राउंड सिंडिकेट' सक्रिय

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के कोतमा, बिजुरी और अनूपपुर क्षेत्र में इन दिनों जो हालात बन रहे हैं, उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला सिर्फ अवैध शराब का नहीं, बल्कि एक ऐसे संगठित नेटवर्क का है, जो कथित रूप से ÷पुरानी शराब÷ के बड़े स्टॉक को छिपाकर बाजार में खपा रहा है। यह खेल इतने व्यवस्थित तरीके से चल रहा है कि बिना किसी मजबूत संरक्षण के इसकी कल्पना करना भी मुश्किल लगता है।

सूत्रों के अनुसार, पूर्व ठेकेदार द्वारा बचा हुआ करोड़ों रुपए का शराब स्टॉक आज भी जिले के अलग-अलग हिस्सों में स्थित कुछ निजी बिल्डिंगों और गोदामों में रखा हुआ है। आरोप है कि इस स्टॉक को धीरे-धीरे छोटे-छोटे हिस्सों में बाजार में उतारा जा रहा है, जिससे न सिर्फ नियमों का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि शासन को भी भारी राजस्व नुकसान पहुंच रहा है। अवैध शराब स्टॉक मामले में सबसे बड़ा और अहम सवाल प्रशासन की भूमिका को लेकर उठ रहा है। इतने बड़े पैमाने पर शराब का स्टॉक यदि वास्तव में मौजूद है, तो क्या यह संभव है कि स्थानीय पुलिस और आबकारी विभाग को इसकी जानकारी नहीं या फिर यह मान लिया जाए कि जानकारी होने के बावजूद जानबूझकर अनदेखी की जा रही है?

क्षेत्र में यह चर्चा अब आम हो चुकी है कि बिना किसी सेटिंग या संरक्षण के इतना बड़ा नेटवर्क लंबे समय तक संचालित नहीं हो सकता। यही वजह है कि अब लोगों की उंगलियां सीधे-सीधे पुलिस और आबकारी विभाग की ओर उठने लगी हैं।

जमीनी हकीकत-क्या कहती हैं गतिविधियां?

स्थानीय लोगों और आसपास के निवासियों का कहना है कि जिन स्थानों पर यह स्टॉक रखा गया है, वहां दिन के मुकाबले रात में ज्यादा हलचल देखने को मिलती है। देर रात संदिग्ध गाड़ियों का आना-जाना, बंद गोदामों के आसपास गतिविधियां और कुछ खास लोगों की नियमित आवाजाही इस पूरे मामले को और संदिग्ध बनाती है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि कई बार बड़े पैमाने पर पेटियां अंदर-बाहर की जाती देखी गई हैं, लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।

महावीर भगवान की शोभायात्रा में जगह-जगह उतारी गई आरती

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सोमवार को 24 वें तीर्थंकर 1008 भगवान श्री महावीर स्वामी का जन्मोत्सव बड़ी धूम-धाम से मनाया गया। सुबह से सकल जैन समाज के लोग नगर के भगवान पार्श्वनाथ जिनालय एवं भगवान शांतिनाथ जिनालय में भगवान महावीर जी की शांतिधारा, अभिषेक, पूजन-अर्चन किया गया। इसके बादं भगवान श्रीजी की पालकी सजा कर बड़ी धूम धाम से बैंड बाजों, डीजें के साथ भगवान महावीर जी की शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में माताएं, बहिने, बच्चे, बूढ़े सभी भगवान महावीर के जयकारे लगाते हुए चल रहे थें। साथ ही जगह जगह जैन परिवारो के द्वारा अपने अपने घरों के सामने रंगोलिया सजा कर भगवान महावीर स्वामी की आरती उतार कर पूजन अर्चन किया। शोभायात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए शांतिनाथ जैन मंदिर पहुची जहां पर विधिवत पूजन किया गया। इसके बाद पुनः शोभा यात्रा मंदिर जी पहुंची जहां पर अभिषेक पूजन हुआ। संध्या काल में दीपो से भगवान महावीर जी की महा आरती की गई। भगवान का पालना भी झुलाया गया।

मेट्रो एंकर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत तारादेही मंडल का प्रशिक्षण

संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण की भावना को किया मजबूत, समाज के अंतिम व्यक्ति तक करें सेवा कार्य

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के आचार्य विघासागर दयोदय पशु सेवा केंद्र गौशाला में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत तारादेही मंडल का प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह महत्वपूर्ण बैठक संगठनात्मक सुदृढ़ता एवं कार्यकर्ताओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को संगठन की मूल विचारधारा, कार्यपद्धति, अनुशासन एवं जनसेवा के सिद्धांतों से परिचित कर उन्हें अधिक सक्षम एवं जागरूक बनाना रहा। अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं में संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण की भावना को और मजबूत किया गया, साथ ही उन्हें समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर सेवा कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। बैठक के दौरान संगठनात्मक विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने, आगामी

कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने तथा जनसंपर्क को और अधिक प्रभावी बनाने जैसे विषयों पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ। प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं जैसे कार्यकर्ता निर्माण, नेतृत्व विकास, संवाद कौशल एवं सेवा भाव पर भी विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस अवसर पर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई, ताकि कार्यकर्ता इन योजनाओं को आमजन तक पहुंचाकर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित कर सकें। साथ ही जबेरा विधानसभा क्षेत्र में अब तक हुए जनहितैषी कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया तथा क्षेत्र के समग्र विकास हेतु भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ कार्यकर्ता गोपाल पटेल, रामेश्वर पटेल ने अध्यक्ष के रूप में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई और अपने अनुभव साझा किए। जिला मंत्री भारत सिंह ने संगठनात्मक मजबूती पर अपने विचार रखे। वहीं तारादेही मंडल प्रभारी विनीता कुलस्ते एवं तारादेही मंडल अध्यक्ष मनोहर सिंह लोधी ने मंडल स्तर की गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को संगठन की मूल विचारधारा, कार्यपद्धति, अनुशासन एवं जनसेवा के सिद्धांतों से परिचित कर उन्हें अधिक सक्षम एवं जागरूक बनाना रहा। अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं में संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण की भावना को और मजबूत किया गया, साथ ही उन्हें समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर सेवा कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। बैठक के दौरान संगठनात्मक विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा जनसंपर्क को और अधिक प्रभावी बनाने जैसे विषयों पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई।

आईपीएल 2026 : चौके, 5 छक्के और 15 गेंद में फिफ्टी,

वैभव सूर्यवंशी ने सीएसके के गेंदबाजों को जमकर कूटा, मैच को बनाया एकतरफा भी

नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी का तूफान आईपीएल 2026 में भी जारी है। राजस्थान रॉयल्स के इस युवा बल्लेबाज ने सोमवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ गुवाहाटी में खेले गए मुकाबले में सिर्फ 15 गेंदों में ही अर्धशतक ठोक दिया। यह आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है, जबकि राजस्थान रॉयल्स के लिए दूसरा सबसे तेज पचासा है। उनसे आगे सिर्फ यशस्वी जायसवाल हैं जिन्होंने 2023 में केकेआर के खिलाफ 13 गेंदों में फिफ्टी बनाई थी। वैभव सूर्यवंशी ने अपनी 15 गेंदों की पारी में 4 चौके और 5 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 305।88 का रहा। उन्होंने सीएसके के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और मैच को एकतरफा बना दिया। वैभव ने इस मैच में 17 गेंदों का सामना किया और 52 रन बनाकर वो आउट हुए। लेकिन इस सीजन आईपीएल के पहले ही मैच में वैभव ने कई रिकॉर्ड ध्वस्त किए। वैभव पिछले एक साल से शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने 2026 अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में शतक भी लगाया था और अब आईपीएल में भी लगातार धमाका कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह रही कि पारी की पहली ही गेंद पर उनका कैच छूट गया था। कार्तिक शर्मा ने उनका मुश्किल कैच छोड़ दिया और इसके बाद वैभव ने सीएसके को इसकी बड़ी कीमत चुकाई।

राजस्थान के लिए सबसे तेज अर्धशतक

1. यशस्वी जायसवाल – 13 गेंद बनाम केकेआर, 2023
2. वैभव सूर्यवंशी – 15 गेंद बनाम सीएसके, 2026
3. वैभन सूर्यवंशी – 17 गेंद बनाम गुजरात टाइटंस, 2025
4. जोस बटलर – 18 गेंद बनाम दिल्ली, 2018

चेन्नई के बल्लेबाजों ने किया निराश

राजस्थान ने टॉस जीतकर चेन्नई को बल्लेबाजी का न्योता दिया था। राजस्थान के गेंदबाजों ने बारिश की वजह से पिच को मिली नमी का पूरा फायदा उठाया और सीएसके के बल्लेबाजों पर कहर बनकर टूटे। तेज गेंदबाज हों या फिर स्पिनर सीएसके के बल्लेबाजों के लिए आरआर के हर गेंदबाज को झेलना मुश्किल हो रहा था। संजू सैमसन और ऋतुराज गायकवाड़ सीएसके को मजबूत शुरुआत नहीं दे सके। दोनों 6-6 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे आयुष म्हात्रे अपना खाता भी नहीं खोल सके। मैथ्यू शॉट भी 2 रन बनाकर आउट हो गए। टीम के शीर्ष 4 बल्लेबाजों में कोई भी दो अंकों में नहीं पहुंच सका। टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और 19.4 ओवर में 127 रन पर सिमट गई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए जेमी ओवरटन ने टीम के लिए अकेले लड़ाई लड़ी। ओवरटन ने 36 गेंदों पर 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 43 रन बनाकर टीम का स्कोर 127 तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया।

एमआई फैन ने केकेआर की जर्सी पहनी लड़की को लाइव मैच में कर दिया प्रपोज, लेकिन हो गया बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 में रविवार को मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबले के दौरान वानखेड़े स्टेडियम में एक दिलचस्प पल देखने को मिला, जब एक मुंबई इंडियंस फैन ने केकेआर फैन को लाइव मैच के दौरान प्रपोज किया। लेकिन ये प्रपोजल कुछ सेकेंड के लिए अफरा-तफरी में बदल गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में देखा गया कि मुंबई इंडियंस का फैन स्टैंड्स में घुटनों के बल बैठकर अपनी पार्टनर को प्रपोज कर रहा था। खास बात यह रही कि उसकी पार्टनर कोलकाता नाइट राइडर्स की जर्सी में नजर आईं। हालांकि, जैसे ही वह अंगूठी निकालकर प्रपोज करने लगा, उसी दौरान रिंग उसके हाथ से फिसल गई। इसके बाद कुछ सेकेंड के लिए वहां मौजूद सभी लोगों की नजरें नीचे सीटों और सीढ़ियों पर टिक गईं। कुछ देर तक स्टैंड्स में रिंग खोजने की हलचल मच गई। लोगों ने सीटों के आसपास तलाश शुरू कर दी और जो पल पूरी तरह फिल्मी और यादगार होना था, वह अचानक थोड़ी देर के लिए तनाव में बदल गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि अंगूठी जल्द ही मिल गई। इसके बाद वहां मौजूद लोग हंसने लगे और प्रपोजल फिर से शुरू हुआ। आखिरकार इस कपल की कहानी का अंत खुशी के साथ हुआ, लेकिन अब यह पल पहले से भी ज्यादा यादगार बन गया।

गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के बाद विवाद भड़का

बॉल से छेड़छाड़ का बम! फखर जमां पर लटकी तलवार, पीएसएल में हड़कंप

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान सुपर लीग में एक हाई-वोल्टेज मुकाबले के बाद अब मैदान से ज्यादा सुर्खियां कोर्टरूम जैसी सुनवाई बटोर रही हैं। पाकिस्तान के अनुभवी ओपनर फखर जमां ने क्करु में हुए विवाद के बाद उन पर लगे बॉल टेंपरिंग के आरोपों को खारिज कर दिया है। यह मामला लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच मुकाबले से जुड़ा है। गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के बाद यह विवाद भड़का। रविवार रात 35 साल के फखर जमां पर मैच रेफरी रोशन महानामा ने PSL कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2।14 के तहत लेवल-3 का आरोप लगाया- जो सीधे-सीधे गेंद की हालत से छेड़छाड़ से जुड़ा है।

पाकिस्तान सुपर लीग के इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में कराची किंग्स ने 3 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की, लेकिन असली कहानी आखिरी ओवर से ठीक पहले हुए विवाद ने लिखी। दूसरी पारी के 19 ओवर पूरे होने के बाद मैच में अचानक ड्रामा शुरू हुआ।

लाहौर कलंदर्स को आखिरी ओवर में 14 रन बचाने थे और गेंदबाजी कर रहे थे हारिस रऊफ। इसी दौरान रन-अप के पास शाहीन शाह आफरीदी, हारिस रऊफ और फखर जमां के बीच हल्की बातचीत हुई और इसी दौरान तीनों खिलाड़ियों ने गेंद को हाथ लगाया। मैदान पर मौजूद अंपायर फैजल आफरीदी को यह हरकत संदिग्ध लगी। उन्होंने तुरंत गेंद की जांच करवाई। इसके बाद सरफुद्दौला के साथ लंबी चर्चा के बाद अंपायरों ने फैसला सुनाया- कलंदर्स ने जानबूझकर गेंद की हालत बदली है। ***नतीजा: कराची किंग्स को 5 पेनल्टी रन मिले और गेंद तुरंत बदल दी गई।***

आगे क्या?

फखर जमां ने सुनवाई के दौरान खुद को निर्दोष बताया है, लेकिन मामला अभी खत्म नहीं हुआ. मैच रेफरी अगले 48 घंटे में दोबारा सुनवाई करेंगे, जिसके बाद फैसला आएगा. अगर आरोप साबित होते हैं, तो फखर जमां ही नहीं, पूरी लाहौर कलंदर्स टीम पर भी कड़ी कार्रवाई की तलवार लटक रही है.

इससे आखिरी ओवर में लक्ष्य 14 से घटकर 9 रन रह गया और यहीं मैच पलट गया।

आखिरी ओवर में पहले ही गेंद पर खुशदिल शाह आउट हुए, फिर एक वाइड ने दबाव और बढ़ा दिया। इसके बाद अब्बास आफरीदी ने चौका और छक्का जड़कर कराची को रोमांचक जीत दिला दी। मैच के बाद शाहीन आफरीदी इस फैसले से नाराज दिखे, लेकिन उन्होंने ज्यादा विवाद बढ़ाने से बचते हुए कहा, मुझे नहीं पता कि गेंद से छेड़छाड़ हुई या नहीं। हम वीडियो देखकर बात करेंगे। 5 रन की पेनल्टी चुभती है, लेकिन अभी कुछ कहना ठीक नहीं।

पैरा आर्चर ऑफ द ईयर चुनी गईं शीतल देवी जतया आभार, इस पल को बताया बेहद खास

नई दिल्ली, एजेंसी

शीतल देवी को वर्ल्ड आर्चरी ने पैरा आर्चर ऑफ द ईयर चुना है, जिसके बाद भारतीय तीरंदाज ने दिल से आभार जताया है। वैश्विक शासी निकाय ने पिछले एक साल में इस खेल में उनके बेहतरीन प्रदर्शन और योगदान के लिए शीतल देवी को इस खिताब से सम्मानित किया है।

शीतल देवी का यह पुरस्कार एक ऐतिहासिक सीजन की शानदार परिणति है, जिसमें उन्होंने ग्वांगजू में आयोजित वर्ल्ड आर्चरी पैरा चैंपियनशिप में अपना पहला विश्व खिताब जीता था। वह बिना हाथों के पैरा आर्चरी विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली पहली महिला बनी, उन्होंने कंपाउंड महिला व्यक्तिगत फाइनल में पैरालंपिक चैंपियन ओनुर क्यूर गिर्दी को हराया। इसके अलावा, उन्होंने महिला टीम स्पर्धा में रजत और मिश्रित टीम प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। शीतल देवी साल 2025 में बीबीसी इमर्जिंग एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय तीरंदाज बनीं। यह सम्मान उन्हें पेरिस 2024 पैरालंपिक गेम्स में राकेश कुमार के साथ मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीतने के बाद मिला। देवी को 2023 में वर्ल्ड आर्चरी पैरा वुमन ऑफ द ईयर और एशियाई पैरालंपिक समिति की सर्वश्रेष्ठ युवा एथलीट के रूप में भी मान्यता मिली है। साल 2024 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अपने करियर में एक और माइलस्टोन जोड़ते हुए, शीतल देवी ने दिसंबर में इतिहास रच दिया। उन्हें जेद्दा में होने वाले एशिया कप के लिए भारत की एबल-बॉडीड (शारीरिक रूप से सक्षम) कंपाउंड आर्चरी टीम में चुना गया, जो उनके असाधारण कौशल और बहुमुखी प्रतिभा को और भी अधिक रेखांकित करता है। शीतल देवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाजों के साथ नामित होना और अब वर्ल्ड आर्चरी द्वारा सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना जाना, यह एहसास बहुत ही खास है।

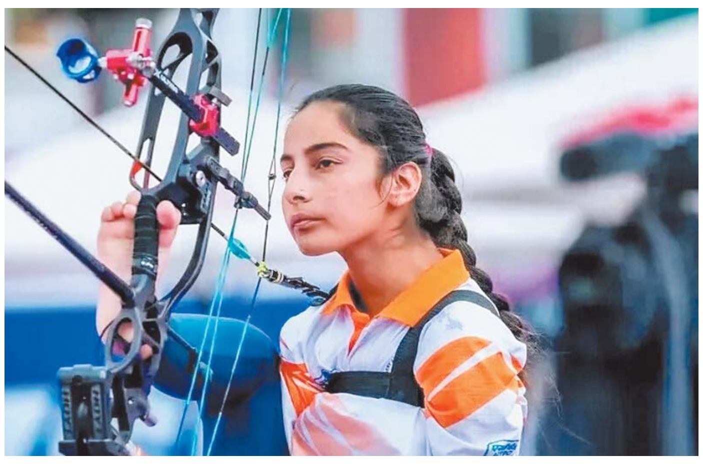

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

साउथ चले सलमान, डायरेक्टर वामशी के साथ बनाएंगे फिल्म, शूटिंग जल्द होगी शुरू

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान जिस भी फिल्म में काम करते हैं, वो अपने आप एक बड़ा प्रोजेक्ट बन जाता है। सलमान के चाहने वाले इतने लोग हैं कि वो उन्हें हमेशा बड़े पर्दे पर लार्जर देन लाइफ रोल्स करते देखना चाहते हैं। ऐसे में अब लगता है कि उनकी ये इछा पूरी होने वाली है। सलमान खान ने तेलुगू डायरेक्टर वामशी पैदिपल्ली और प्रोड्यूसर दिल राजू के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिला लिया है। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस कोलैब को कंफर्म भी कर दिया है। ये फिल्म उनकी अगली मातृभूमि-मे वॉर रेस्ट इन पीस के बाद रिलीज होगी। सलमान अप्रैल से इसकी शूटिंग शुरू करेंगे। एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा है, दिल, दिमाग, जिगर से इस अप्रैल से वामशी पैदिपल्ली और दिल राजू। सलमान के साथ कोलैब पर दिल राजू की प्रोडक्शन कंपनी श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स ने भी एक्स पर ट्वीट किया है। उन्होंने भी सुपरस्टार के साथ अपने कोलैब पर खुशी जाहिर की है। फैंस के लिए ये कोलैब काफी खास है। डायरेक्टर वामशी पैदिपल्ली का अभी तक तेलुगू सिनेमा में रिकॉर्ड हिट ही रहा है। उन्होंने जितनी फिल्में बनाई हैं, अधिकतर सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चली हैं। वामशी इससे पहले थलपति विजय, प्रभास, राम चरण, महेश बाबू, जूनियर एनटीआर और अल्लू अर्जुन जैसे स्टार्स के साथ काम कर चुके हैं। अब सलमान भी उनके साथ कोलैब कर रहे हैं, जो काफी एक्साइटिंग बात है।

अप्रैल से जुटेंगे नई फिल्म की शूटिंग में

सलमान खान अप्रैल से अपनी नई फिल्म की शूटिंग में लगने वाले हैं। ऐसे में उनके चाहने वालों के मन में ये सवाल जरूर होगा कि उनकी अपकमिंग फिल्म मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस किस दिन रिलीज होगी। इस फिल्म को पहले 17 अप्रैल के दिन रिलीज किया जाना था। मगर कुछ कारणों से ये पोस्टपोन हो गई। कुछ वक्त पहले फिल्म की शूटिंग भी चल रही थी, जिसे अब पूरा कर लिया गया है। अब बस मेकर्स की तरफ से रिलीज डेट को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट होनी बाकी है।

भूत बंगला में काम के अनुभव पर बोले जीशु सेनगुप्ता

पहले दो दिन समझ नहीं आया डायरेक्टर का स्टाइल

अक्षय कुमार की आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इस फिल्म के जरिए अक्षय कुमार और प्रसिद्ध निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी एक बार फिर पर्दे पर देखने को मिलेगी। इसके अलावा, बंगाली सिनेमा के जाने-माने अभिनेता जीशु सेनगुप्ता का दमदार अभिनय भी लोगों का ध्यान अपनी ओर खीचेंगा। वह इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस कड़ी में उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में अपने अनुभवों को खुलकर साझा किया।

जीशु सेनगुप्ता ने कहा, फिल्म के सेट पर काम करना मेरे लिए बेहद खास और चुनौतीपूर्ण अनुभव था। शुरुआत में मुझे निर्देशक प्रियदर्शन के काम करने के स्टाइल को समझने में थोड़ा समय लगा। पहले दो दिनों में थोड़ी घबराहट हुई थी। यह घबराहट इसलिए थी, क्योंकि मुझे द प्रियदर्शन के साथ काम करने का मौका मिला था। उनका नाम पूरी फिल्म इंडस्ट्री सम्मान के साथ लेती है। उन्होंने कहा, सेट पर प्रियदर्शन बेहद सहज रहते हैं। वह अपनी टीम के सभी सदस्यों से सलाह लेते हैं और काम को मजेदार बनाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। शुरुआत में मैं थोड़ा असमंजस में था, क्योंकि वह बहुत कम प्रतिक्रिया देते थे। मुझे डर लगा रहता था कि कहीं मेरी परफॉर्मेंस में कुछ गलत न हो जाए। लेकिन बाद में मुझे किसी ने बताया कि प्रियदर्शन का तरीका यही है। अगर सब सही होता है तो वह कुछ नहीं कहते, और अगर कुछ सुधारने की जरूरत होती है, तो वह स्पष्ट रूप से बता देते हैं।

मेट्रो बाजार

कोटक महिंद्रा प्राइम में बड़ा बदलाव, सूरज राजप्पन को नियुक्त किया नया सीईओ

नई दिल्ली । वाहन फाइनेंस कंपनी कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड ने घोषणा की कि उसके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने सूरज राजप्पन को मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल 1 जून 2026 से तीन साल के लिए होगा, हालांकि इसके लिए शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी होगी। कंपनी ने बताया कि मौजूदा एमडी और सीईओ शाहरुख टोडीवाला 31 मई 2026 को रिटायर हो जाएंगे। उन्होंने कोटक ग्रुप के साथ तीन दशक से ज्यादा समय तक काम किया है। कंपनी के अनुसार, सूरज राजप्पन ने अपने करियर की शुरुआत केएमपीएल से ही की थी और उनके पास कंपनी में 24 साल का अनुभव है। केएमपीएल, कोटक महिंद्रा बैंक की एक सहायक कंपनी है। कोटक महिंद्रा बैंक के एमडी और सीईओ अशोक वासवानी ने कहा कि सूरज राजप्पन का अनुभव और काम करने की क्षमता कंपनी को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि शाहरुख टोडीवाला ने कंपनी को मजबूत और संतुलित विकास की दिशा में आगे बढ़ाया है। वहीं, सूरज राजप्पन ने कहा कि केएमपीएल आगे भी संतुलित विकास, नवाचार और बेहतर ग्राहक अनुभव पर ध्यान देगा। साथ ही कंपनी अपने ओईएम और डीलर पार्टनर्स के साथ रिश्तों को और मजबूत करेगी।

एनएसई के आईपीओ की तैयारी तेज, शेयर धारकों से 27 अप्रैल तक मांगी प्रतिक्रिया

मुंबई । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने लंबे समय से लंबित इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत एक्सचेंज ने मौजूदा शेयरधारकों से संपर्क कर यह जानने की कोशिश की है कि वे ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए इसमें हिस्सा लेना चाहते हैं या नहीं। सूत्रों के अनुसार, निवेशकों को भेजे गए एक संदेश में एक्सचेंज ने उन शेयरधारकों से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) मांगा है, जो प्रस्तावित पब्लिक इश्यू के तहत अपने कुछ या सभी शेयर बेचना चाहते हैं। यह एनएसई के आईपीओ की दिशा में एक औपचारिक और अहम कदम माना जा रहा है, जिस पर कई वर्षों से विचार किया जा रहा था। इस प्रक्रिया के तहत एक्सचेंज ने ईओआई फॉर्म और संबंधित दस्तावेज भी साझा किए हैं, जिनमें ओएफएस के जरिए भाग लेने की शर्तें और ढांचा बताया गया है। जो शेयरधारक इसमें हिस्सा लेना चाहते हैं, वे तय शर्तों के अनुसार अपने पूरे या कुछ शेयर बेच सकते हैं। इसके अलावा, निवेशकों से कहा गया है कि वे 27 अप्रैल शाम 5 बजे तक अपनी प्रतिक्रिया जमा करें, जिसमें वे आईपीओ में भाग लेने की अपनी इच्छा जाहिर करें। संदेश में कहा गया है, ÷एक शेयरधारक के रूप में आप अपनी होल्डिंग के कुछ या सभी इक्विटी शेयर आईपीओ में बिक्री के लिए पेश कर सकते हैं, जो ओएफएस नोटिस में दी गई शर्तों के अधीन होगा। इस कदम से यह संकेत मिलता है कि एनएसई के लिस्टिंग प्लान में फिर से तेजी आई है और एक्सचेंज आईपीओ से पहले संभावित विक्रेता शेयरधारकों की पहचान कर रहा है। इससे पहले एनएसई ने इस इश्यू को मैनेज करने के लिए 20 मर्चेंट बैंकर नियुक्त किए थे, जो भारत में किसी भी पब्लिक इश्यू के लिए अब तक की सबसे बड़ी संख्या है।

रूपकुंड: यहां मौजूद है कंकालों की झील

उत्तराखंड की 'रूपकुंड झील, जिसे 'कंकालों की झील' के नाम से जाना जाता है। इसमें 600–800 मानव कंकाल बिखरे हुए हैं। जब बर्फ पिघलती है, तो इस जमी हुई झील में कंकाल भी दिखाई देते हैं। रूपकुंड झील में कंकालों की खोज सबसे पहले 1942 में एक ब्रिटिश फॉरेस्ट रेंजर ने की थी। जिसके बाद इस झील को लेकर कई कहानियां, थ्योरी और रिसर्च की गई। एक पुरानी धारणा के अनुसार ये अवशेष 870 साल पहले के एक भारतीय राजा, उनकी पत्नी और उनके सेवकों के माने जाते हैं। इसी के साथ बता दें, इस झील को लेकर कई कहानियां प्रचलित है, जो उत्तराखंड के स्थानीय लोग सुनाते हैं।

नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ लोगों की जेब होगी ढीली

कल से होने वाले कई हैं अहम बदलाव बिजली, प्रॉपर्टी व कचरा प्रबंधन महंगा

भोपाल, एजेंसी

नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ अप्रैल से आम लोगों की जेब और दिन दोनों पर असर डालने वाले कई बड़े बदलाव लागू हो रहे हैं। इस बार सबसे बड़ा असर बिजली बिल, प्रॉपर्टी रजिस्ट्री और कचरा प्रबंधन पर दिखाई देगा। कलेक्टर गाइडलाइन में औसतन 12% वृद्धि के साथ संपत्ति खरीदना महंगा होगा, वहीं बिजली दरें बढ़ने और नए कचरा नियम लागू होने से हर पर पर सीधा असर पड़ेगा।

आज संपत्तिकर और जल उपभोक्ता प्रभार जमा करने पर अधिभार में 100 प्रतिशत तक मिलेगी छूट

वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम दिन 31 मार्च को नगर निगम ने करदाताओं को राहत और चेतावनी दोनों दी है। आज तक संपत्तिकर और जल उपभोक्ता प्रभार जमा करने पर अधिभार में 100 प्रतिशत तक छूट मिलेगी, लेकिन भुगतान नहीं करने पर यह छूट समाप्त हे जाएगी। निगम के अनुसार 1 अप्रैल से स्वयं उपयोग वाली संपत्तियों पर दोगुना भुगतान करना होगा और 50 प्रतिशत की छूट भी खत्म कर दी जाएगी। इसके बाद पूरा 100 प्रतिशत कर देना पड़ेगा। करदाता वार्ड और जन कार्यालयों के साथ निगम की वेबसाइट के जरिए भी भुगतान कर सकते हैं।

बिजली

औसत 5% वृद्धि, लेकिन खपत के साथ बढ़ेगा खर्च

प्रदेश में नई बिजली दरें अप्रैल के पहले हफ्ते से यह लागू हो जाएगी। नई दरों में औसतन 59% तक वृद्धि हुई है। लेकिन टैरिफ को खपत से जोड़ा गया है। 200 यूनिट पर पिछले वित वर्ष की तुलना में 80 रुपए ज्यादा देने होंगे। लेकिन 400 यूनिट पर 150 रुपए से अधिक की वृद्धि होगी।

प्रॉपर्टी

कलेक्टर गाइडलाइन 12% बढ़ी, रजिस्ट्री होगी महंगी

भोपाल में अप्रैल से कलेक्टर गाइडलाइन औसतन 12% बढ़ाई गईहै। रजिस्ट्री महंगी होनेसे संपति खरीदने वाले को ज्यादा खर्च करना होगा खास तौर पर तेजी से विकसित हो रहे इलाकों में कीमतों में अधिक बढ़ोतरी दिखेगी, जिससे निवेश और खरीद दोनों महंगे पढ़ेंगे।

कचरा प्रबंधन

अब 4 तरह से अलग करना जरूरी, नहीं तो सीधा जुर्माना

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रुल्स-2026 एक अप्रैल से लागू होंगे। हर घर को कचरा गला सूख सैनिटरी और खतरनाक चार हिस्सों में अलग करना होगा। नियम नहीं मानने पर निगम जुर्माना लगाएगा। बड़ी सोसायटी होटल, अस्पताल सहित बल्क बेस्ट जनरेटर को खुद कचरा निपटाना होगा।

रिजर्वेशन

रिजर्वेशन के नियम बदले कैंसिलेशन-रिफंड में बदलाव

1 अप्रैल से चरणबद्ध तरीके से रेलवे रिजर्वेशन के नियमों में बदलावहो रहा है। बदलावमें ट्रेन डिपार्चर से आधा घंटा पहले तक क्लास अपसोड करा सकेंगे। टिकट कैसिलेशन की समय सीमा और रिफंड में भी बदलाव किया गया है। मह अगले कुछ दिनों में लागू होगे।

आयकर

आयकर कानून सरल बनाया, टैक्स जमा करने में सुविधा

आयकर कानून में भी अप्रैल से नए बदलाव लागू होंगे फाइनेंशियल ईयर और असेसमेंट ईयर जैसे शब्द हटाकर टैक्स पर कर दिया गयाहै। इन बदलावों से कानून समझना आसान होगा, जिससे करदाताओं की टैक्स जमा करने की प्रक्रिया में सुविधा मिलेगी।

बंगाल चुनाव के लिए भाजपा ने जारी की चौथी सूची

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की एक और सूची जारी कर दी है। इस चौथी सूची में 13 उम्मीदवारों का नाम शामिल है। वहीं दूसरी सूची में घोषित एक उम्मीदवार का नाम बदला भी गया है। सूची के अनुसार, दूसरी सूची में घोषित मयनागुड़ी (अनुसूचित जाति) सीट से अब दालिम रॉय भाजपा उम्मीदवार होंगे।

चौथी सूची में इन नेताओं के नाम: नई सूची के अनुसार, सिताई सीट से आशुतोष वर्मा नाटाबाड़ी से गिरिजा शंकर रॉय, बागदा से सोमा ठाकुर, मगराहाट पूर्व से उत्तम कुमार बनिक और फालटा से देबांगशु पांडा को टिकट दिया गया है। वहीं सोनारपुर उत्तर से देबाशीष पाठक, हावड़ा दक्षिण से श्यामल हाती, पंचला सीट से रंजन कुमार पॉल, चंडीपुर से पीयूष कांति दास, गारबेटा से प्रदीप लोढ़ा, मेमारी से मानव गुहा और बाराबनी सीट से अरिजीत रॉय भाजपा उम्मीदवार होंगे।

असम के लिए बीजेपी का घोषणा पत्र

जमीन जिहाद पर रोक, 5 लाख करोड़ निवेश का वादा

» महिलाओं को 'अरुणोदय' योजना में 3 हजार देने का एलान

गुवाहाटी, एजेंसी

असम विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने आज अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया। इसमें पार्टी ने फिर से सत्ता में आने पर प्रदेश में पांच लाख करोड़ के निवेश के साथ ही जमीन जिहाद पर रोक का वादा किया है।गुवाहाटी स्थित असम बीजेपी के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जारी घोषणापत्र को पार्टी ने संकल्प पत्र नाम दिया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और असम बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप सैकिया के साथ केंद्र की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह घोषणापत्र जारी किया. बीजेपी ने असम में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने, दो लाख नौकरियां देने का भी वादा किया है।मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस मौके पर यह भी स्पष्ट किया कि छठी अनुसूची में शामिल क्षेत्रों के साथ ही अनुसूचित जनजाति के क्षेत्रों को इससे बाहर रखा जाएगा। लव जिहाद के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे और असम को बाढ़मुक्त प्रदेश बनाने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे।

केरल में कांग्रेस का चुनाव प्रचार: राहुल गांधी बोले सीपीएम अब वामपंथी नहीं, भाजपा पर भी बरसे

कन्नूर। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है। राहुल गांधी केरल के कन्नूर में रैली संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह लड़ाई वाम मोर्चा (सीपीएम) की विचारधारा, यूडीएफ की विचारधारा और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा की बीच है। पहली बार हम देख रहे हैं कि भाजपा और वाम मोर्चा के बीच गठबंधन हो रहा है। सामान्य

तौर पर, किसी वामपंथी दल का किसी अति दक्षिणपंथी दल के साथ गठबंधन करना काफी आश्चर्यजनक होता।

इसके साथ ही उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए भाजपा पर भी निशाना साधा।

बाबा विश्वनाथ की शरण में सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन और अभिषेक कर पूजा-अर्चना की।

46 नगरों की जल प्रदाय एवं 3 नगरों की सीवरेज परियोजनाओं की समीक्षा

भोपाल । नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा क्रियान्वित 46 नगरों की जल प्रदाय तथा 3 नगरों की सीवरेज परियोजनाओं की समीक्षा आयुक्त सह प्रबंध संचालक संकेत भोंडवे ने राजधानी स्थित होटल पलाश में की।

समीक्षा बैठक में श्री भोंडवे ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निकायों के जिन क्षेत्रों में जल प्रदाय प्रारंभ कर दिया गया है वहाँ पुराने ट्यूबवेल बंद किए जाएं। उन्होंने जल शोधन संयंत्र एवं मलजल शोधन संयंत्र सहित सभी घटकों में सघन वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित करने तथा आगामी मानसून में अधिकाधिक पौधारोपण कर 'माय लाइफ' पोर्टल पर प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री भोंडवे ने कहा कि प्रतिदिन वार्डवार नल कनेक्शन का लक्ष्य तय कर कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि लगाए जा रहे जल मीटरों में कम से कम 5 प्रतिशत स्मार्ट मीटर अनिवार्य रूप से स्थापित किए जाएं। उन्होंने परियोजना प्रबंधकों को मुख्य नगर पालिका अधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ सतत समन्वय बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि वे नियमित रूप से साइट निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करें कि पर्याप्त मात्रा में मैनपावर एवं मशीनरी उपलब्ध हो।

हथियार डालने वाले नक्सली कर सकते हैं झीरम नरसंहार का पर्दाफाश!

बस्तर से लौटकर राजेश सिरोठिया

छत्तीसगढ़ में नया निजाम आने के बाद नक्सली गतिविधियां तेजी से बढ़ने लगीं। राजनेताओं के साथ उनके गठजोड़ की खबरें भी आने लगीं। सुकमा के एक कलेक्टर जॉन एलेक्स का तो नक्सलियों ने अपहरण भी कर लिया था। बताते हैं कि उनकी रिहाई कुछ पुराने अफसरों की मध्यस्थता और सरकार की तरफ से भारी रकम चुकाने के बाद ही मुमकिन हो सकी। इसके पहले नक्सलवादी आंदोलन में गति तब आई जब केंद्र से अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार की विदाई हुई और कांग्रेस की अगुआई में यूपीए की सरकार वजूद में आई। तब तक छत्तीसगढ़ में दो नक्सली समूह सक्रिय थे। एक कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के मार्क्सवादी-लेनिनवादी समूह का प्रतिनिधित्व करता था। यह पीपुल्स वॉर ग्रुप के नाम से जाना जाता था। दूसरा था एमसीसी यानि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट सेंटर। सितंबर 2004 में दोनों का विलय हो गया और वे कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के नाम पर काम करने लगे। इसके बाद उनका स्वरूप और विकट तथा हिंसक रूप ले चुका था। पुलिस कर्मियों की हत्या, पुलिस की मुखबिरी के संदेह में भोले भाले आदिवासियों के निर्मम कत्ल। यह सब आए दिन की वारदातें हो गईं। अविभाजित मप्र के दौरान मप्र के बालाघाट जिले मे खैरलांजी इलाके में राजनांदगांव के रास्ते में एडीशनल एसपी श्री बंसल सहित एक दर्जन से ज्यादा पुलिस जवानों की गाड़ी को उड़ा दिया गया। मप्र के केबिनेट मंत्री लिखीराम कांवरे की बालाघाट में उनके घर से निकालकर गला रेतकर हत्या की गई। इसके बाद सुकमा के पास एडीशनल एसपी भास्कर दीवान के साथ कई पुलिस कर्मियों की शहादत भी नक्सली हमले में हो चुकी थी। हालात यहां तक जा पहुंचे कि नक्सली खुलेआम बस्तर से लेकर राजनांदगांव के कवर्धा और उससे सटे मप्र के बालाघाट से लेकर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली और चंद्रपुर जिले में आवाजाही कर रहे थे,

लाल आतंक का सफाया पार्ट - 2

और पुलिस सब कुछ जानकारी के बाद अपनी जान बचाकर दुबकी पड़ी थी। मार्च 2007 में माओवादियों ने छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के चिंतानार क्षेत्र में 5

पुलिसकर्मियों को मारा। इसके बाद केंद्रीय बलों के रूप में सीआरपीएफ की तैनाती बस्तर में हुई और ऑपरेशन ग्रीन हंट के दौरान सितंबर 2009 में गठित कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा) के कर्मियों और राज्य पुलिस बलों ने दंतेवाड़ा में एक भीषण गोलीबारी के दौरान लगभग 30 माओवादी विद्रोहियों को मार गिराया। इसके बाद भी नक्सली कहां मानने वाले थे। 6 अप्रैल 2010 को उन्होने दंतेवाड़ा और सुकमा की सीमा पर स्थित चिंतलनार चिंता गुफा के पास सीआरपीएफ के 76 जवानों को घात लगाकर मारा। यह इस राज्य के नक्सली इतिहास की सबसे बड़ी घटना मानी जाती है। लेकिन हिंसा का सिलसिला यहीं नहीं रूका और 25 मई 2013 को जगदलपुर से करीब पचास किमी दूर दरभा घाटी थाने से चंद किमी की दूरी पर झीरम घाटी में 27 लोग मार डाले गए। । इनमें कांग्रेस के वो अधिकांश नेता थे, जो सुकमा में परिवर्तन रैली करके सडक़ रास्ते से लौट रहे थे। इनमें सबसे प्रमुख थे महेंद्र कर्मा, जो 1990 से ही रेती कुली संगम जैसे नक्सल विरोधी अभियान से लेकर रमन सिंह सरकार के दौरान छेड़े गए सलवा जुडूम अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे थे। उनके साथ ही मप्र के पूर्व गृह मंत्री नंदकुमार पटेल और कांग्रेसी विधायक उदय मुदलियार भी मारे गए। यही नहीं नक्सलियों ने नंदकुमार पटेल के बेटे को भी नहीं बख्शा। कांग्रेस की भारतीय राजनीति के कद्दावर चेहरे विद्याचरण शुक्ल बुरी तरह घायल हुए। बाद में 11 जून को उन्होंने दिल्ली के मेदांता अस्पताल में दम तोड़ा। उस हमले में मप्र के पूर्व गृह मंत्री रह चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री, पूर्व स्पीकर और वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत भी शायद इस हमले का शिकार बनते लेकिन वह उस रैली में शामिल नहीं हो सके थे क्योंकि वह उस दिन मुंबई में थे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी बच गए, क्योंकि वह भी उस शाम वहां नहीं थे। इस हमले में छत्तीसगढ़ कांग्रेस का कोई प्रभावी नेता बचा था तो वह थे नए राज्य के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी। स्व. जोगी ने भी सुकुमा की रैली में शिरकत की थी लेकिन वे सड़क मार्ग के बजाए हेलीकाप्टर से रायपुर लौट चुके थे। महेंद्र कर्मा ने मरते वक्त भी जो मर्दानगी दिखाई थी, उसकी चर्चा इस काफिले में बचे वे लोग बयां करते हैं जो किसी तरह बच गए। जब नक्सली ताबड़तोड़ हमले कर रहे थे तो महेंद्र कर्मा गाड़ी से निकलकर बाहर आए और चुनौती देते हुए बताया कि वही हैं महेंद्र कर्मा। किसी और को न मारो। तुम्हारी दुश्मनी मुझसे है से तो मुझे मारो। इसके बाद नकसलियों ने उनको गोलियों से छलनी कर दिया। उनकी लाश पर नाचते हुए तांडव किया। उनके शरीर पर पेशाब तक की। इस बेहद गंभीर हादसे के बाद केंद्र की तत्कालीन यूपीए सरकार ने एनआईए (नेशनल इंटैलीजेंस एजेंसी) को भी भेजा, लेकिन वह इस हादसे में उभरे सवालों का जवाब नहीं ढूंढ सके, जिनका जिक्र छत्तीसगढ़ में अक्सर होता है। वहां मौजूद कई प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि यह हमला कांग्रेस के ही कुछ नेताओं व्दारा प्रायोजित था, क्योंकि नक्सली हमले के दौरान फोन पर किसी से निर्देश ले रहे थे। नाम पूछ-पूछकर कोंग्रेसियों को मार रहे थे। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण तो यह है कि न तो तब की यूपीए सरकार और फिर मौजूदा एनडीए सरकार, इसका राजफाश अभी तक नहीं कर सकी है। 2010 में सीआरपीएफ के 76 जवानों, झीरम घाटी में 27 लोगों और 6 मार्च 2016 को 7 जवानों को मौत के घाट उतारने वाला कुख्यात इनामी नक्सली हिडमा तो मारा जा चुका है। शायद अमित शाह के निर्देश पर चले आपरेशन ब्लैक फारेस्ट के दौरान पापा राव, देवजी जैसे बड़े ईनामी माओवदी झीरम घाटी काण्ड का पर्दाफाश कर सकें जो आईजी सुंदरराज पी के सामने आत्म समर्पण कर चुके हैं। (जारी)

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564